RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:81 ता. 21 सितम्बर 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कांग्रेस में शशि थरूर बनाम अशोक गहलोत लगभग तय, राहुल गांधी की हुई एंट्री तो बदलेगी कहानी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के नामांकन शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। ऐसे में उम्मीदवारों को लेकर स्थिति कुछ साफ होती जा रही है। हालांकि, वायनाड सांसद राहुल गांधी मैदान में होंगे या नहीं? यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। इधर, त-23 नेताओं में शामिल रहे शशि थरूर पद पर दावा पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री और गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले अशोक गहलोत भी रेस में आगे चल रहे हैं।

प्रबल संभावनाएं हैं कि थरूर चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इसपर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। हाल ही में वह अंतरिम अध्यक्ष सोनिय गांधी से मिलने पहुंचे। खबर है कि बैठक के दौरान उन्होंने पार्टी प्रमुख को अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ने की इच्छा के बारे में बताया। कहा जा रहा है कि सोनिया की तरफ से भी यह बताया गया है कि वह किसी उम्मीदवार का विशेष समर्थन नहीं करेंगी। खास बात है कि तिरुवनंतपुरम सांसद अध्यक्ष पद के चुनाव में पारदर्शिता को लेकर भी मुखर रहे हैं।

भाषा के अनुसार, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'जो भी चुनाव लड़ना चाहता है वह इसके लिए स्वतंत्र है और उसका स्वागत है। यही कांग्रेस अध्यक्ष और राहुल गांधी का सतत रुख रहा है। यह एक खुली, लोकतांत्रिक और पारदर्शी प्रक्रिया है। किसी को चुनाव लड़ने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है।' थरूर ने मंगलवार को उस ऑनलाइन याचिका की पैरवी की जिसमें पार्टी के युवा सदस्यों ने सुधारों की मांग की और कहा है कि अध्यक्ष पद के हर उम्मीदवार को यह संकल्प लेना चाहिए कि निर्वाचित होने पर वह 'उदयपुर नवसंकल्प' को पूरी तरह लागू करेगा।

अशोक गहलोत से होगा मुकाबला?

अटकलें लगाई जा रही थीं कि अगर राहुल चुनाव नहीं लड़ते हैं, तो सीएम गहलोत कांग्रेस प्रमुख के चुनाव में उतर सकते हैं। हालांकि, वह भी लगातार राहुल के ही कमान संभालने की बात का समर्थन कर रहे हैं और शनिवार को ही राजस्थान कांग्रेस ने इस संबंध में प्रस्ताव पास किए। साथ ही यह भी माना जा रहा है कि वह राज्य की राजनीति छोड़ना नहीं चाहते, लेकिन कई बार वह राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की कमान संभालने के भी संकेत दे चुके हैं।

राहुल गांधी का क्या है मूड?

कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक 'भारत जोड़ो' यात्रा की अगुवाई कर रहे राहुल कमान संभालने के मूड में नहीं हैं। खबरें आती रही हैं कि पार्टी नेता लगातार अध्यक्ष बनने की अपील कर रहे हैं, लेकिन वह इच्छुक नहीं हैं। फिलहाल, वायनाड सांसद के अलावा थरूर और गहलोत का नाम ही सामने आया है। अब ऐसे में अगर राहुल की एंट्री होती है, तो कहानी बदल सकती है, क्योंकि करीब 7 राज्यों की कांग्रेस इकाई ने उन्हें प्रमुख बनाने की बात का समर्थन किया है।

इनमें राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु, जम्मू और कश्मीर का नाम शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि हिमाचल प्रदेश यूनिट भी प्रस्ताव पर मुहर लगा सकती है। अब अगर खुद राहुल भी चुनाव में उतरने का ऐलान करते हैं, तो संभावनाएं हैं कि गहलोत कदम पीछे ले सकते हैं। ऐसे में चुनाव सीधा राहुल बनाम थरूर भी हो सकता है।

> कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की अगुवाई कर रहे राहुल कमान संभालने के मूड में नहीं हैं। खबरें हैं कि पार्टी नेता लगातार अध्यक्ष बनने की अपील कर रहे हैं, लेकिन वह इच्छुक नहीं हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव कार्यक्रम

पार्टी में चुनाव के लिए 24 सितंबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो रही है, जो 30 सितंबर तक चलेगी। इसके बाद 17 अक्टूबर को अध्यक्ष पद के लिए मतदान होगा और 19 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। खास बात है कि कांग्रेस ने लंबे समय बाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी यानी ष्टङ्खष्ट में भी चुनाव का ऐलान कर दिया है।

टी सवार को 100 मीटर तक घसीटा, हालत गंभीर; आरोपी ड्राइवर फरार

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग में सोमवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने 6 गाड़ियों में टक्कर मार दी। घटना में वहां मौजूद कई गाड़ियां डैमेज हो गईं। बताया जा रहा है कि कार का ड्राइवर नशे की हालत में था और ओवर स्पीड में कार भगा रहा था। उसने पहले कई गाड़ियों को टक्कर मारी, उसके बाद एक स्कूटी को 100 मीटर तक घसीटकर ले गया। स्कूटी सवार युवक की पहचान हिमाशु के रूप में हुई है। हादसे के उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में एक रिक्शे को भी नुकसान पहुंचा है। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। आरोपी की पहचान सुधीर जैन के रूप में हुई है। ये पूरी घटना CCTV में कैद हो गई है। CCTV में सड़क किनारे एक महिला भी दिख रही है। कार के गाड़ियों को टक्कर मारने पर वह महिला चौंक जाती है। घटना के बाद वहां कई लोग जमा हो जाते हैं। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि कार में शराब की बोतलें भी मिली हैं।

फॉर्च्यूनर में सवार थे दो लोग

जानकारी के मुताबिक कार में दो लोग सवार थे और दोनों नशे में थे। घटना के बाद कार का ड्राइवर फरार हो गया। वहीं, पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि घटना के बारे में पता किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक घटना करोल बाग के पदम सिंह रोड पर रात आठ बजे की है।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने 50 फीसदी से अधिक आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने 50 फीसदी से अधिक आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया है। राज्य के महाधिवक्ता सतीश चन्द्र वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश की युगल पीठ ने 50 फीसदी से अधिक आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने 50 फीसदी से अधिक आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया है। राज्य के महाधिवक्ता सतीश चन्द्र वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश की युगल पीठ ने 50 फीसदी से अधिक आरक्षण को असंवैधानिक करार दिया है। वर्मा ने बताया कि यह मामला वर्ष 2012 में राज्य सरकार द्वारा सरकारी नियुक्तियों तथा मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य कॉलेजों में दाखिले में 58 फीसदी आरक्षण के फैसले से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय ने 58 फीसदी आरक्षण के फैसले को रद्द कर दिया है। हालांकि, न्यायालय ने कहा है कि वर्ष 2012 से अभी तक की गई सरकारी नियुक्तियों और शैक्षणिक संस्थाओं में दिए गए प्रवेश पर इस फैसले का असर नहीं होगा। महाधिवक्ता ने बताया कि राज्य की पूर्ववर्ती (भाजपा) सरकार ने वर्ष 2012 में आरक्षण नियमों में संशोधन कर दिया था। इसके तहत सरकारी नियुक्तियों और मेडिकल, इंजीनियरिंग तथा अन्य कॉलेजों में प्रवेश के लिए अनुसूचित जाति वर्ग का आरक्षण प्रतिशत 16 से घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया था। इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 32 प्रतिशत किया गया था जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण पूर्व की तरह 14 प्रतिशत यथावत रखा गया था। संशोधित नियमों के अनुसार, कुल आरक्षण का प्रतिशत 50 से बढ़कर 58 प्रतिशत कर दिया गया था। वर्मा ने बताया कि राज्य शासन के इस फैसले को गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी तथा अन्य ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण, उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के विरुद्ध और असंवैधानिक है। महाधिवक्ता ने बताया कि उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश अरूप कुमार गोस्वामी और न्यायमूर्ति पी.पी. साहू की युगल पीठ ने इन सभी मामलों की अंतिम सुनवाई के बाद विगत दिनों फैसला सुरक्षित रख लिया था।

गुमनाम राजनीतिक चंदे पर चुनाव आयोग का शिकंजा; कैश लेने की लिमिट तय, कानून मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के लिए एक बार में मिलने वाले नकद चंदे की अधिकतम सीमा 20 हजार रुपये से घटाकर 2 हजार रुपये करने का प्रस्ताव दिया है। साथ ही कुल चंदे में नकद की सीमा अधिकतम 20 प्रतिशत या 20 करोड़ रुपये तक सीमित करने की बात भी कही गई है। इसका मकसद चुनावी चंदे को कालेधन से मुक्त करना है। सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इसे लेकर केंद्रीय विधि मंत्री किरेन रीजीजू को पत्र लिखा है, जिसमें जन प्रतिनिधित्व कानून में कुछ संशोधन की मांग की गई है। आयोग की सिफारिशों का मकसद राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता लाना है।

284 राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द

आयोग की ओर से यह कदम उस वक्त उठाया गया है, जब हाल ही में उसने 284 ऐसे दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया था, जो नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। आयकर विभाग ने हाल ही में कर चोरी के आरोप में ऐसी कई राजनीतिक इकाइयों के ठिकानों पर छापे भी मारे थे।

20 हजार रुपये से ऊपर वाले चंदों का खुलासा–मौजूदा नियमों के अनुसार, राजनीतिक दलों को 20 हजार रुपये से ऊपर वाले सभी चंदों का खुलासा करना होता है और आयोग के समक्ष इस बारे में रिपोर्ट देनी होती है। सूत्रों ने कहा कि अगर आयोग के इस प्रस्ताव को विधि मंत्रालय की मंजूरी मिल जाती है तो 2000 रुपये से अधिक सभी चंदों के बारे में राजनीतिक दलों को जानकारी देनी होगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी।

कुल चंदे में नकद अधिकतम 20 करोड़ रुपये

आयोग ने यह सिफारिश भी की है कि किसी भी राजनीतिक दल को मिले कुल चंदे में नकद अधिकतम 20 प्रतिशत या 20 करोड़ रुपये होना चाहिए। निर्वाचन आयोग यह भी चाहता है कि चुनावों के दौरान उम्मीदवार चुनाव के लिए अलग से बैंक खात खोलें और सारा लेनदेन इसी खाते से हो। साथ ही चुनावी खर्च के ब्यौरे में इसकी जानकारी भी दी जाए।

'संसद भवन उड़ा दूंगा' की धमकी देने वाले सपा के पूर्व विधायक किशोर समरीते गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मध्य प्रदेश से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक किशोर समरीते को मंगलवार को भोपाल से गिरफ्तार किया. भोपाल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सचिन अतुलकर ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने किशोर समरीते को भोपाल से गिरफ्तार किया है. दिल्ली पुलिस ने मध्यप्रदेश पुलिस को सूचित किया है कि उन्होंने पूर्व विधायक को गिरफ्तार करने और अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर लिया है. पुलिस ने बताया कि समरीते को भोपाल के कोलार रोड स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया है. दरअसल, पूर्व विधायक किशोर समरीते ने धमकी दी थी कि 30 सितंबर से पहले उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो संसद भवन को उड़ा देंगे. किशोर समरीते ने जिलेटिन की छड़ें, राष्ट्रीय ध्वज का एक पैकेट संसद भवन भेजा था और उड़ाने

की धमकी दी थी. इसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था.

संसद में भेजा था धमकी भरा पत्र और जेलेटिन स्टिक

मध्य प्रदेश के पूर्व समाजवादी पार्टी विधायक किशोर समरीते ने पार्लियामेंट को उड़ाने की धमकी दी थी. इसके बाद दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने उन्हें भोपाल से गिरफ्तार कर लिया. बताया जा रहा है कि पूर्व विधायक ने पार्लियामेंट हाउस में पार्सल भी भेजा था. इस पार्सल में नेशनल फ्लैग, संविधान की किताब और जेलेटिन की स्टिक रखी था और साथ में धमकी भरा लेटर भी था. लेटर में पूर्व विधायक ने लिखा था कि अगर मेरी मांगे नहीं मांनी गईं तो 30 सितंबर को संसद भवन को बम से उड़ा दूंगा. बता दें कि किशोर समरीते समाजवाटी पार्टी के टिकट पर मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के लांजी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे हैं. साल 2008 में विधायक चुने गए समरीते वर्तमान में संयुक्त क्रांति पार्टी के अध्यक्ष हैं.

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर लोगों से ठगी करने वाले हाईटेक गिरोह का पर्दाफाश

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले में आबूरोड सदर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर लोगों से ठगी करने वाले एक विदेशी गिरोह का पर्दाफाश किया है। दिल्ली में रहकर ठगी करने वाले इस हाईटेक गिरोह के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी महंगे तोहफे भेजने के नाम पर ठगी किया करते हैं।

सिरोही पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बताया कि आबूरोड शहर थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता ने 24 अप्रैल को पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि फेसबुक के जरिये उसकी अली अयान नामक महिला से दोस्ती हुई, जिसने अपने आपको न्यूजीलैंड निवासी बताया था। दोनों में व्हाट्सएप एवं फेसबुक पर बातें होती रहीं। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिला ने 16 लाख रुपये की ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता के मुताबिक ठगी करने वाले पहले विदेश से महंगे तोहफे भेजने का झांसा देता फिर खुद ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी के रूप में पेश कर तोहफे समेत पकड़ने और धन शोधन केस में जेल भेजने की धमकी देकर पैसे मांगते है। उन्होंने बताया कि पुलिस दल ने मेघालय के खासी हिल्स जिले के मोवलाई थाना निवासी फातिमा लिंगदोह (42) एवं नाइजीरिया निवासी एक्ने बेंजामिन (32) को दिल्ली के मोहन गार्डन थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में अभियुक्तों ने अलग-अलग राज्यों में लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करना कबूल किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी सोशल मीडिया मंच जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर विदेशी नागरिक की फर्जी प्रोफाइल बना लेते थे। फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर दोस्ती कर उनके बारे में सारी बातें जान लेते। उसके बाद महंगे तोहफे भेजने का झांसा देते थे। शिकार को महंगा तोहफा मात्र कस्टम ड्यूटी देकर लेने को कहते।

उन्होंने बताया कि इसके बाद इसी गिरोह का दूसरा व्यक्ति कस्टम अधिकारी या ईडी अधिकारी बन पीड़ित को फोन कर विदेश से तोहफा बिना सीमा शुल्क चुकाये मंगाने को धन शोधन की श्रेणी में आना बताता है। वह सीमा शुल्क जमा नहीं करने पर जेल जाने का डर दिखाया जाता, जिसके कारण कई लोग आरोपियों को पैसे दे देते थे।

मदरसों के बाद अब वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड खंगालेगी योगी सरकार

अलीगढ़। यूपी में मदरसों के बाद अब प्रदेश सरकार ने सामान्य संपत्ति(बंजर भूमि, उसर, भीटा आदि) को प्रक्रिया का पालन न करके राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराई गई वक्फ संपत्तियों की जांच और सीमांकन कराने का फैसला लिया है। सरकार ने राजस्व विभाग के वर्ष 1989 के शासनादेश को भी निरस्त करते हुए हुए जांच एक माह में पूरा करने के निर्देश सभी जिलों को दिए हैं। शासन के उप सचिव शकील अहमद सिद्दीकी ने सूबे के सभी कमिश्नर व डीएम को लिखे पत्र में कहा कि वक्फ अधिनियम-1995 व उत्तर प्रदेश मुसलिम वक्फ अधिनियम-1960 में वक्फ की संपत्ति को पंजीकरण कराने के प्रावधान के बावजूद नियमों की अनदेखी की गई। वक्फ संपत्तियों को सुव्यवस्थित ढंग से राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने के लिए सात अप्रैल 1989 को शासनादेश भी जारी किया गया। कहा गया कि 1989 के शासनादेश के तहत पाया गया कि वक्फ की संपत्तियां अधिकतक बंजर, उसर और भीटा में दर्ज हैं, लेकिन मौके पर वक्फ है। इसलिए इन भूमि को सही तरह से राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने और उनका सीमांकन कराने की जरुरत है।

कहा गया कि ग्राम सभाओं और नगर निकायों की जमीन सार्वजनिक संपत्तियां हैं, जिनका जनहित में उपयोग किया जाता है। इन जमीनों का 1989 के शासनादेश के आधार पर प्रबंधन और स्वरूप बदलना राजस्व कानूनों के खिलाफ है। गैर वक्फ संपत्तियों को वक्फ संपत्ति में दर्ज करने की अनियमितताओं के चलते बीती आठ अगस्त को 1989 वाला राजस्व विभाग का शासनादेश भी निरस्त कर दिया गया है। वर्ष 1989 के बाद से राजस्व

> शासन के उप सचिव शकील अहमद सिद्दीकी ने सूबे के सभी कमिश्नर व डीएम को लिखे पत्र में कहा कि वक्फ अधिनियम-1995 व उत्तर प्रदेश मुसलिम वक्फ अधिनियम-1960 में वक्फ की संपत्ति को पंजीकरण कराने के प्रावधान के बावजूद नियमों की अनदेखी की गई।

अभिलेखों में दर्ज वक्फ संपत्तियों को नियमानसुार दुरुस्त करने को कहा गया है।

देशभर में सेना, रेलवे के बाद वक्फ बोर्ड के पास सबसे अधिक जमीन

देशभर में वक्फ बोर्ड के पास भारतीय सेना और रेलवे के बाद सबसे ज्यादा जमीन है। यानी, वक्फ बोर्ड देश का तीसरा सबसे बड़ा जमीन मालिक है। वक्फ मैनेजमेंट सिस्टम ऑफ इंडिया के मुताबिक, देश के सभी वक्फ बोर्डों के पास कुल मिलाकर 8 लाख 54 हजार 509 संपत्तियां हैं। जो 8 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन पर फैली हैं।

प्रदेशभर में वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे

प्रदेशभर में वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे बीते दिनों सामने आ चुके हैं। अलीगढ़ में 4138 वक्फ संपत्तियों को चिन्हित किया जा चुका है। इसमें से कुछ संपत्तियों पर अवैध कब्जे हैं।

मंडलभर में सर्वे

वक्फ सपंत्तियों को लेकर शासन द्वारा जारी आदेश के तहत मंडलभर में सर्वे कराया जाएगा। जल्द ही शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

-गौरव दयाल, कमिश्नर, अलीगढ़ मंडल

सार समाचार

स्थानीय निकाय चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करे हाईकोर्ट: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण लागू करने के लिए बिहार सरकार को निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिका पर पटना हाईकोर्ट से शीघ्र सुनवाई करने को कहा है। दिसंबर 2021 में शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक सरकार सुप्रीम कोर्ट के 2010 के आदेश में निर्धारित 'तीन जांच' की अर्हता पूरी नहीं कर लेती। तीन जांच के प्रावधान के तहत राज्य सरकार को प्रत्येक स्थानीय निकाय में ओबीसी के पिछड़ेपन पर आंकड़े जुटाने के लिए एक विशेष आयोग गठित करने की जरूरत है। आयोग की सिफारिशों के आलोक में प्रत्येक स्थानीय निकाय में आरक्षण का अनुपात तय करने की जरूरत है। इसके साथ ही, यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ ओबीसी के लिए इस तरह के आरक्षण की सीमा कुल सीट संख्या के 50 प्रतिशत को पार नहीं करे। शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि जब तक 'तीन जांच' की अर्हता पूरी नहीं कर ली जाती, ओबीसी सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटों के तहत पुन: अधिसूचित किया जाए। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि नगर निकाय चुनाव 10 अक्टूबर, 2022 को होने हैं और यदि हाई कोर्ट याचिका की इससे पहले सुनवाई करता है, तो यह उपयुक्त होगा। पीठ ने कहा मुख्य न्यायाधीश 23 सितंबर, 2022 को समाप्त हो रहे मौजूदा सप्ताह के दौरान सुविधानुसार याचिका की सुनवाई कर सकते हैं। शीर्ष कोर्ट सुनील कुमार नाम के एक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। कुमार ने बिहार सरकार के एक अप्रैल, 2022 के एक पत्र को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया था। पत्र के जरिये बिहार सरकार ने राज्य निर्वाचन आयोग को नगर निकाय चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सूचित किया था। याचिकाकर्ता ने ओबीसी आरक्षण के लिए शीर्ष कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों को लागू करने के लिए राज्य और उसके प्राधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया था।

दिल्ली में मंकीपॉक्स का एक और मरीज मिला

नई दिल्ली । दिल्ली में नाइजीरिया की 30 वर्षीय महिला मंकीपॉक्स से संक्रमित पाई गई है, जिसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमितों की संख्या बढ़कर नौ जबकि भारत में 14 हो गई है। एक अ?धिकारी ने कहा ?कि महिला को 16 सितंबर को यहां लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नाइजीरियाई मूल के एक और व्यक्ति को रविवार को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी जांच रिपोर्ट आनी बाकी है।

कोरोना संक्रमण के नियंत्रण में आते ही मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में इजाफा

मुंबई। कोरोना संक्रमण के नियंत्रण में आते ही हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है और एक ही दिन में मुंबई हवाईअड्डे से आने-जाने वाले 1 लाख 30 हजार 374 यात्रियों की संख्या दर्ज की गई है. यह एंट्री 17 सितंबर 2022 को की गई थी। मुंबई एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि कोरोना काल के बाद अब तक मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों की यह सबसे अधिक संख्या है। 17 सितंबर को मुंबई हवाईअड्डे से करीब 95,080 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और 35,294 घरेलू यात्रियों ने यात्रा की। इस दिन एयरपोर्ट से कुल 839 उड़ानों का संचालन किया गया। इंडिगो विस्तारा और गो फर्स्ट ने घरेलू मार्गों पर सबसे अधिक यात्रियों को ढोया। घरेलू स्तर पर, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई प्रमुख शहर हैं जहां यात्री आते-जाते हैं। साथ ही मुंबई एयरपोर्ट से सबसे ज्यादा यात्री दुबई, अबू धाबी और सिंगापुर गए और यहां से भी सबसे ज्यादा यात्री मुंबई पहुंचे। 18 सितंबर को मुंबई एयरपोर्ट पर 1 लाख 30 हजार से ज्यादा यात्रियों का एंट्री हुआ था। इनमें से करीब 98 हजार यात्रियों ने घरेलू यात्रा की, जबकि करीब 32 हजार यात्रियों ने अंतरराष्ट्रीय मार्गों से यात्रा की। 21 मई 2022 को मुंबई एयरपोर्ट पर 1 लाख 23 हजार यात्रियों का एंट्री हुआ था।

डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह से 48 करोड़ रुपये की ई-सिगरेट जब्त

नई दिल्ली । देश के राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को बड़ी कामयाबी मिली है। विभाग ने तस्करी से निपटने के अपने अभियान के तहत 16 सितंबर को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह से 48 करोड़ रुपये की ई-सिगरेट जब्त की है। ई-सिगरेट के उपयोग और बिक्री पर भारत में प्रतिबंध है। एक अधिकारी ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए कि मुंद्रा पोर्ट के माध्यम से ई-सिगरेट की गलत घोषणा और छिपाने के माध्यम से तस्करी की जा रही थी, एक कंटेनर की पहचान की गई और उसे ट्रैक किया गया। मुंद्रा पोर्ट पहुंचने के बाद कंटेनर का निरीक्षण किया गया। जांच से पता चला कि सामान को गलत तरीके से फर्श की सफाई करने वाले पोछे में छिपाकर ले जाया जा रहा था। कंटेनर की जांच के दौरान, उसके अंदर के सभी कार्टन खोले गए थे। यह पाया गया कि फर्श की सफाई करने वाले कुछ डिब्बों के अलावा, कई बक्से में हाथ की मालिश, एलसीडी राइटिंग पैड और सिलिकॉन पॉप-अप टॉयज भी थे। आगे की खोज से पता चला कि 250 और कार्टन थे जिनमें 2500 पफ वैरिएंट के ई-सिगरेट के 2 लाख पीस थे, जबकि एक कार्टन में 5000 पफ वैरिएंट के ई-सिगरेट के 400 पीस थे, जो कि चीन में बने 'यूओटोआ' ब्रांड के थे। कंटेनर में ई-सिगरेट और अन्य सभी सामान सीमा शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त किए गए थे। अधिकारी ने कहा कि जब्त ई-सिगरेट का बाजार मूल्य करीब 48 करोड़ रुपये होगा।

उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कानून की वैधता बरकरार रखी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को हरियाणा सिख गुरुद्वारा (प्रबंधन) अधिनियम, 2014 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, जिसके तहत राज्य में गुरुद्वारों के मामलों के प्रबंधन के लिए एक अलग समिति का गठन किया गया था। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के एक सदस्य द्वारा दाखिल, हरियाणा सिख गुरुद्वारा अधिनियम को रद्द करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। शीर्ष अदालत का फैसला हरियाणा के निवासी हरभजन सिंह द्वारा 2014 में दाखिल की गई एक याचिका पर आया, जिसमें कहा गया था कि पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 72 कहती है कि एसजीपीसी के संबंध में एक अंतर-राज्य निकाय कॉर्पोरेट के रूप में कानून बनाने का अधिकार केवल केंद्र सरकार को है और कानून में राज्य के कानून को अधिनियमित कर किसी भी विभाजन का कोई प्रावधान नहीं है। याचिका में कहा गया था कि जल्दबाजी में कानून लागू करना न केवल संवैधानिक प्रावधानों और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के वैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है, बल्कि सिख धर्म के अनुयायियों के बीच मतभेद भी पैदा कर सकता है। कानून के तहत, हरियाणा उस विषय के संबंध में कानून नहीं बना सकता है जहां पहले से ही केंद्रीय कानून है क्योंकि धार्मिक संस्थानों का विषय प्रविष्टि 28 सूची तीन से संबंधित है। कानून के तहत अंतरराज्यीय निकाय कॉर्पोरेट के संबंध में सख्त प्रावधान इसके साथ नहीं जोड़े गए हैं। याचिका में कहा गया था ''यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि निर्वाचन क्षेत्रों के आरक्षण, सिख गुरुद्वारा चुनाव न्यायाधिकरण के गठन और गुरुद्वारों को 1925 के अधिनियम की धारा 85 के प्रावधानों के भीतर लाने के लिए अधिसूचना सहित कई कार्यों के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जनादेश दिया गया है।

नारायण राणे को झटका, बॉम्बे हाईकोट ने बंगले पर अवैध निर्माण को तोड़ने का दिया आदेश, 10 लाख का जुर्माना भी लगाया

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री नारायण राणे द्वारा महाराष्ट्र के जुहू में अपने बंगले पर बनाए गए एक अवैध ढांचे को गिराने का आदेश दिया। कोर्ट ने राणे पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने इससे पहले केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के जुहू स्थित आवास पर कथित अवैध निर्माण और बंगले में बदलाव को लेकर नोटिस भेजा था। बीएमसी के के-वेस्ट वार्ड के एक नामित अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस, मुंबई नगर निगम (एमएमसी) अधिनियम की धारा 351 के तहत नागरिक निकाय द्वारा अनुमोदित योजना के उल्लंघन में उपयोग के कथित अनधिकृत परिवर्तन के लिए जारी किया गया था। सूचना का अधिकार कार्यकर्ता संतोष दौंडकर ने नारायण राणे के बंगले के अवैध निर्माण को लेकर पहले ही मुंबई नगर निगम में शिकायत की थी। दौंडकर ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उसके बाद नगर निगम ने नारायण राणे के बंगले का निरीक्षण करने का नोटिस जारी किया था।

'तुम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के पालतू...', सुशील मोदी को मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी को जान से मारने की धमकी मिली है। यह दावा भाजपा नेता की ओर से किया गया है। भाजपा नेता सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा है कि उन्हें हत्या करने की धमकी भरा पत्र मिला है। यह पत्र उन्हें स्पीड पोस्ट के जरिए प्राप्त हुआ है। अपने ट्वीट में सुशील मोदी ने लिखा कि पश्चिम बंगाल के पूर्वी वर्धमान जिले से धमकी भरा पत्र मिला है जिसमें हत्या करने की धमकी दी गई है। उन्होंने लिखा कि चंपा सोम (सोमा) द्वारा स्पीड पोस्ट से प्राप्त धमकी भरे पत्र में अंग्रेजी में लिखा है कि 'मैं आपको सूचना दे रहा हूँ कि मैं तृणमूल कांग्रेस का नेता हूँ।

सुशील मोदी का दावा है कि पत्र में लिका है, ÷ममता बनर्जी भारत की अगली प्रधानमंत्री बन सकती है। तुम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के पालतू कुत्ते हो। ममता बनर्जी और नीतीश कुमार जिंदाबाद। मैं आप की हत्या कर दूँगा।÷ भाजपा के राज्यसभा सांसद ने लिखा कि स्पीड पोस्ट से अंग्रेजी में लिखा यह पत्र निम्न पते से भेजा गया है। चंपा सोम (सोमा), पोस्ट+ग्राम-रायन, जिला- पूर्वी वर्धमान, पश्चिम बंगाल 713104। उन्होंने कहा कि इस पत्र में चंपा सोम (सोमा) ने अपना मोबाइल नंबर 7501620019 भी डाल रखा है। यह पत्र राजेंद्र नगर स्थित निजी आवास के पते पर प्राप्त हुआ है। मोदी ने उपरोक्त पत्र सहित, लिफाफा पटना के वरीय आरक्षी अधीक्षक को प्रेषित कर आग्रह किया है कि इस पर अग्रतर कार्रवाई की जाए।

सुशील मोदी जबरदस्त तरीके से इन दिनों नीतीश कुमार पर हमलावर है। जबसे बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी है, सुशील मोदी लगातार नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव पर निशाना साध रहे हैं। हाल में ही मोदी ने कहा था कि तेजस्वी यादव को 2018 में जमानत मिलने के बाद दो साल तक न्याय प्रक्रिया कोविड के कारण ठप रही। उनके वकील ने 11 बार ट्रायल कोर्ट से समय मांग कर मामले को लटकाने की कोशिश की। सीबीआई सोया नहीं थी, लेकिन अब राजद-जदयू की नींद खराब होने वाली है।

कांग्रेस का आरोप, देश में हर घंटे आत्महत्या कर रहा है एक किसान, केंद्र सरकार जिम्मेदार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार में हर घंटे कम से कम एक किसान आत्महत्या करने को मजबूर है और यह सरकार की विफलता के चलते हो रहा है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि सरकार तीनों काले कृषि कानूनों को पिछले दरवाज़े से लागू करना चाहती है और इसी कारण अनाज की खरीद की व्यवस्था निजी क्षेत्र को सौंपी जा रही है।

कांग्रेस नेता ने संवाददाताओं से कहा, गत 17 सितम्बर को महाराष्ट्र के पुणे में एक किसान दशरथ लक्ष्मण केदारी ने प्रधानमंत्री मोदी को जिम्मेदार ठहराते हुए आत्महत्या कर ली। उन्होंने अपने सुसाइड नोट में साफ़ तौर पर मोदी जी और सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने दावा किया, सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2021 में कृषि क्षेत्र से जुड़े कुल 10,881 लोगों ने आत्महत्या की जो देश में कुल आत्महत्या (1,64,033) का 6.6 प्रतिशत है। हर रोज़ 30 किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं - मतलब हर घंटे एक से ज़्यादा आत्महत्या हो रही है। सुप्रिया ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2014 से लेकर 2021 तक भारत में 53,881 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की है जिसका मतलब यह है कि 21 किसान रोज़ हताश और निराश हो कर अपनी जान देने पर मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यह मोदी सरकार की विफलता का नतीजा है और किसानों की इस दयनीय स्थिति के बावजूद मोदी जी तमाशे में और अपने झूठे महिमा मंडन में व्यस्त हैं।

'जनता को पीएम मोदी पर भरोसा', गुजरात में जेपी नड्डा बोले- लिखी जा रही है विकास की नई गाथा

अहमदाबाद (एजेंसी)।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज गुजरात दौरे पर हैं। रोजकोट में उन्होंने नगर निगम और नगर पालिकाओं के पार्षदों और सहकारी संगठन सम्मेलन के निर्वाचित सदस्यों को संबोधित किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि जनता को भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा है। विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम कुर्सी पर बैठने नहीं आए हैं। भारत मां की सेवा ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सौराष्ट्र संतों की भूमि है, मैं इस भूमि को नमन करता हूं। साथ ही आप सभी को बधाई देता हूं कि जब कोरोना काल में सारे राजनीतिक दल घर में बैठ गए थे, उस समय आप लोगों ने सेवा ही संगठन के माध्यम से करोड़ों लोगों की सेवा की।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हम सिर्फ राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं हैं। राजनीति करना ही हमारा उद्देश्य नहीं है। भारतीय जनता पार्टी का एक बहुत बड़ा पक्ष है, वो है मानवता की सेवा करना। जिसको हमने करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अपने लक्ष्य से डिगे नहीं। नौ महीने के अंदर देश को दो-दो वैक्सीन देकर दुनिया में मिसाल कायम कि और आपने डबल डोज और बूस्टर लगाकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपने को साकार किया। उन्होंने साफ कहा कि कोरोना के समय में टीके पर राजनीतिक दल राजनीति कर रहे थे, प्रमाण मांग रहे थे पर हमारे प्रधानमंत्री मोदी लक्ष्य से हटे नहीं और 9 महीने में देश को दो-दो वैक्सीन देकर कर मिसाल कायम की। नड्डा ने आगे कहा कि हमें Pro-active रहना है। हमें Pro-responsible रहना है। हमें Pro-responsive रहना है। और हमें Transparent रहना है।

जेपी नड्डा ने कहा कि हम चुने हुए प्रतिनिधि बदलाव के वाहक हैं, हमें परिवर्तन लाना है और जनता का विश्वास जितना है। सबको साथ लेकर चलना है, इसके लिए हम सबको काम करना है। उन्होंने कहा कि हम भारत के सभी हिस्सों में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक अपने कार्यकर्ताओं के कारण जीते हैं। हम देश का चेहरा और भाग्य बदलने के लिए राजनीति में आए हैं। जेपी नड्डा का गुजरात दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। नड्डा का यह गुजरात दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब आम आदमी पार्टी के साथ में लगातार भाजपा को चुनौती देने की कोशिश कर रही है। आज अरविंद केजरीवाल भी गुजरात में है। उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है।

अभिनंदन ने मार गिराया था पाक का एफ-16, वो मिग-21 होंगे रिटायर

नई दिल्ली। हरेक भारतवाशी को वो तारीख जरूर याद होगी जब आज से तीन साल पहले फरवरी के महीने में बालाकोट स्ट्राइक का बदला लेने भारत के वायुसीमा में घुसे पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हमारे वायुयोद्धाओं ने खदेड़ दिया। इसी दौरान विंग कमांडर अभिनंदन ने पुरानी तकनीक वाले मिग 21 से पाकिस्तान के एफ-16 को मार गिराया। लेकिन पाकिस्तान के एफ 16 फाइटर जेट को मार गिराने वाला विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान का स्क्वॉड्रन खत्म होने जा रहा है। मिग 21 फाइटर जेट का एक स्क्वाड्रन 30 सितंबर को रिटायर होने जा रहा है। श्रीनगर की नं 51 स्क्वाड्रन स्वोर्ड आर्म्स के नाम से जानी जाती है। विंग कमांडर अभिनंदन भी इस स्क्वाड्रन का हिस्सा थे। बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तानी एफ-16 से डॉगफाइट में इसी स्क्वाड्रन के मिग 21 लड़ाकू विमान शामिल हुए थे। विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने मिग 21 से पाकिस्तानी एफ-16 को मार गिराया था। भारतीय वायुसेना में इस वक्त मिग 21 के चार स्क्वाड्रन हैं। श्रीनगर स्थित 51 स्क्वाड्रन को स्वॉर्ड आर्म्स के नाम से भी जाना जाता है। इस बेड़े ने 1999 में कारगिल युद्ध में भी हिस्सा लिया था। भारत रक्षक बेवसाइट के अनुसार इस स्क्वाड्रन को वायुसेना मेडल से भी नवाजा जा चुका है। ऑपरेशन पराक्रम के दौरान इस स्क्वाड्रन को कश्मीर घाटी के एयर डिफेंस का जिम्मा सौंपा गया था।

सपना चौधरी ने कोर्ट में किया सरेंडर, 30 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)।

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी अपना कार्यक्रम रद्द करके टिकट के पैसे वापस नहीं करने के एक मामले में सोमवार को करीब दो घंटे तक हिरासत में रहीं। अदालत ने सपना का गिरफ्तारी वारंट इस शर्त पर खत्म किया कि भविष्य में वह सुनवाई में पेश होकर सहयोग करेंगी। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शांतनु त्यागी की अदालत में सपना अपने वकील के साथ पेश हुईं, जिस पर उन्हें 'अदालत की हिरासत' में ले लिया गया। इस दौरान वह करीब दो घंटे तक हिरासत में रहीं। अदालत ने सपना का वारंट इस शर्त पर खत्म किया कि वह सुनवाई के दौरान अदालत में पेश होकर सहयोग करेंगी। इसके बाद सपना अदालत से बाहर चली गईं। सपना ने सोमवार को दाखिल अर्जी में दावा किया कि मामले की सुनवाई पिछली 22 अगस्त को हुई थी, लेकिन बीमारी की वजह से ना तो वह खुद और न ही उनके वकील अदालत में हाजिर हो पाए थे तथा जो भी हुआ वैसा करने की मंशा नहीं थी लिहाजा गिरफ्तारी वारंट को वापस ले लिया जाए। अदालत ने इसके बाद वारंट वापस ले लिया और मामले की अगली सुनवाई की तारीख 30 सितंबर नियत की है। मामले के मुताबिक, 14 अक्टूबर 2018 को निरीक्षक फिरोज खान ने सपना के खिलाफ आशियाना थाने में मामला दर्ज किया था। मुकदमे के मुताबिक, 13 अक्टूबर को लखनऊ के स्मृति उपवन में सपना चौधरी का कार्यक्रम होना था। इस कार्यक्रम के लिए हजारों टिकट बिके थे। सपना देर रात तक जब शो में नहीं आईं तो भीड़ ने हंगामा शुरू किया और इसके बावजूद आयोजकों ने टिकट के पैसे वापस नहीं किए थे। इस मामले में कार्यक्रम के आयोजक नवीन शर्मा, अमित पांडे, जुनैद अहमद, रत्नाकर उपाध्याय और इवाद अली भी आरोपी हैं।

पुरानी पेंशन बहाली के लिये कलेक्ट्रेट परिसर में गरजे शिक्षक, किया जोरदार धरना प्रदर्शन

रिपोर्ट आकाश मिश्रा
सूरत भूमि जौनपुर !

शिक्षकों, की पुरानी पेंशन बहाली सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में शिक्षको ने हुंकार भरा। शिक्षको की गर्जना से पूरा कलेक्ट्रेट परिसर गुंजायमान हो गया। एक दिवसीय विशाल धरना देकर महामहिम राष्ट्पति प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। शिक्षकों ने मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन के आह्वान पर धरने में माध्यमिक शिक्षक संघ (सेवारत) व कर्मचारी संघ ने भी अपना समर्थन दिया।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में दिन में दस बजे से ही जनपद के विभिन्न तहसीलों व ब्लाक के पदाधिकारियों के साथ शिक्षकों की भीड़ कलेक्ट्रेट परिसर में धरना स्थल पर एकत्रित होने लगी। एक घण्टे बाद ही धरना स्थल शिक्षको की भीड़ से खचाखच भर गया। कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्यद्वार से लेकर जिलाधिकारी कार्यालय तक शिक्षक ही दिखाई दे रहे थे। हजारों की संख्या में हाँथ में तख्ती बैनर लेकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षको ने कलेक्ट्रेट परिसर में जुलूस निकालकर नारेबाजी करते हुए चक्रमण किया तो सभी की निगाहें उनपर ही था। पूरा कलेक्ट्रेट परिसर शिक्षकों के पुरानी पेंशन बहाली के नारों से गूंज उठा। चारों तरफ सिर्फ शिक्षक कर्मचारी एकता जिंदाबाद व पुरानी पेंशन बहाल करो के नारों पूरे दिन गूंजता रहा।

जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों व कर्मचारियों का सतत संघर्ष चलता रहेगा। इसके लिए हमें एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी। कहाकि एक ही देश में दो तरह का कानून नहीं चलेगा। एक तरफ सांसद-विधायक पेंशन व पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहे है तो दूसरी तरफ 60 और 62 वर्ष तक पूरा जीवन देश व समाज को देने के बाद शिक्षक व कर्मचारी सेवानिवृत्त होने पर पुरानी पेंशन को नहीं प्राप्त करेगा। साथ ही अमित सिंह ने कहा कि वर्षों से परिषद के शिक्षकों का पदोन्नति रुका हुआ जो कि हमारा अधिकार है जिसके लिए हम आर पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं। विगत काफी समय से शिक्षकों स्थानांतरण रुका हुआ है, तमाम शिक्षकों को पचास से सत्तर किलोमीटर दूर जा कर अपनी सेवा देनी पड़ती है जबकि उनके आवास के पास कई विद्यालयों पर पद खाली हैं इसलिए हम सभी का इस आंदोलन के माध्यम से मांग है कि तत्काल अंतर्जनपदीय एंव जनपद के अंदर स्थानांतरण शुरू किया जाय। शिक्षा मित्र तथा अनुदेशक साथियों को उचित एंव सम्माजनक तरीके से समायोजित किया जाय।

धरने को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ(कार्यरत) के प्रांतीय अध्यक्ष रमेश सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ के आंदोलन के मेरा पूर्ण समर्थन है। जहाँ देश के जनप्रतिनिधिगण पुरानी पेंशन का लाभ ले रहे हैं वहीं शिक्षक एंव कर्मचारियों को इससे वंचित रखा गया है जो अनुचित है। संचालन कर रहे जिला मंत्री सतीश पाठक ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए चलाए जा रहे आंदोलन को और मजबूत किया जाएगा। पेंशन छीनकर सरकार ने बुढापे की लाठी छीन लिया है।

भारत के खिलाफ किसी भी तरह की प्रतिकूल टिप्पणी से दुख होता है: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि उन्हें भारत के खिलाफ ऐसी किसी भी तरह की प्रतिकूल टिप्पणी से दुख होता है जो जमीनी हकीकत से पूरी तरह से अलग हो और जिसे मीडिया जोर-शोर से उठाने लग जाए। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के 49वें राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कोविड-19 महामारी से निपटने, कारोबार में आसानी, आर्थिक सुधारों और जी-20 की भारत की आगामी अध्यक्षता जैसी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उपराष्ट्रपति ने कहा, नेतृत्व ने जमीन पर वह हासिल किया है जिसकी हमने पहले कभी कल्पना भी नहीं की थी। धनखड़ ने कहा कि महामारी ने सभी को देश की ताकत से अवगत कराया और यह जीवन के हर पहलू में परिलक्षित हुआ जब लोग जरूरतमंद लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए आगे आए। उपराष्ट्रपति ने कहा, कई बार मेरे दिल को तब दुख होता है जब दुनिया के किसी भी कोने से इस देश की जमीनी हकीकत से पूरी तरह से अलग एक आवाज आती है जिसमें कुछ प्रतिकूल कहा जाता है और जिसे मीडिया जोर-शोर से उठाने लगता है।

धनखड़ ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी सम्मेलन में शामिल होने वाले उद्योग जगत के नेताओं का अपमान है, जिनके पास कहीं से भी बोलने वाले सज्जन की तुलना में बहुत अधिक परिपक्वता है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''इस तरह की राजनीति को रोकना होगा और यह नियंत्रण केवल उस समूह में हो सकता है जो मेरे सामने है। मैं इस पर अधिक विचार नहीं करूंगा।'' धनखड़ ने बिना किसी तर्क या आधार के उत्पन्न बड़ी बाधाओं के बावजूद कोविड के खिलाफ टीकाकरण में सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। उपराष्ट्रपति ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा, जिन लोगों ने यह चुनौती दी, वे इस बात से अनजान थे कि वे भारतीय मेधा से खुद को दूर कर रहे हैं और भारत के विकास की कहानी साझा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि सरकार ने शासन में आसानी के लिए बहुत प्रयास किए हैं, जो एक ऐसा क्षेत्र है जो उद्योग जगत के नेताओं की रातों की नींद उड़ाकर रखता था।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, यह समय की बात है कि जो अनुकूलन हो रहा है वह अधिक सुखदायक पारिस्थितिकी तंत्र में फलीभूत होगा। प्रतिक्रिया अद्भुत है।'' उन्होंने कहा कि भारत को विश्व स्तर पर कभी भी उतनी तवज्जो नहीं मिली जितनी अब मिलती है।

धनखड़ ने कहा, ''यह गर्व की बात है कि भारतीय प्रधानमंत्री की छवि, भारतीय विदेश मंत्री की छवि, विदेश में हर भारतीय की छवि बहुत अलग है। हम एक ऐसे राष्ट्र हैं जो आगे बढ़ रहे हैं। सदियों पहले हम मानव गतिविधि के हर क्षेत्र में अग्रणी थे और हमें इस पर गर्व करने की जरूरत है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत इस साल के अंत में जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा जिससे देश को वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक एजेंडे को आकार देने का अवसर मिलेगा। धनखड़ ने कारोबार और उद्योग जगत के नेताओं से भारत के आत्मनिर्भर बनने के अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, भारत नए उद्यम, नयी नौकरियां, नए निर्यात और विकास संबंधी समस्याओं के नए समाधान उत्पन्न कर आर्थिक विकास को गति देने के लिए अपनी उद्यमी पीढ़ी पर भरोसा कर रहा है। उपराष्ट्रपति ने वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष विजय केलकर, रमन के. गर्ग-आईआरएस और एआईएमए के पूर्व अध्यक्ष हर्ष पति सिंघानिया को एआईएमए की फैलोशिप भी प्रदान की।

अफगानिस्तान के बच्चे हो रहे हैं 'खराब', तालिबान सरकार ने पबजी-टिकटॉक को को बैन करने का लिया फैसला

अफगानिस्तान में तालिबान शासन ने पबजी और टिकटॉक पर बैन लगाने का फैसला किया है। कट्टरपंथी इस्लामी सरकार ने दावा किया कि मोबाइल गेम, किट टॉक अफगानिस्तान के युवाओं को भटका रहा है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक अफगानिस्तान में अगले तीन महीने के अंदर ऐसे कई ऐप्स को बैन किया जा सकता है। । तालिबान शासन पहले ही इन दोनों ऐप्स को बैन करने की बात कह चुका है। उनका तर्क है कि इन सब के इस्तेमाल से युवा समाज बद से बदतर होता जा रहा है। हाल ही में तालिबान के प्रवक्ता इनामुल्ला समांगानी ने कहा कि युवाओं को बचाने के लिए टिकटॉक और पबजी को बैन करना बेहद जरूरी है। अफगानिस्तान के सुरक्षा सेवा प्रतिनिधियों और शरिया कानून विशेषज्ञों से परामर्श किया गया। उसके बाद तालिबान सरकार इस ऐप को बैन करने की राह पर है। निर्णय अगले 90 दिनों के भीतर प्रभावी होगा। तालिबान सरकार पहले ही इस फैसले के बारे में दूरसंचार और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को सूचित कर चुकी है। इससे पहले तालिबान सरकार करीब एक लाख वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगा चुकी है। गानों, फिल्मों आदि से मेल खाने वाली वेबसाइटों को बंद कर दिया गया है। टीवी सीरियल देखना भी बंद है। अफगानिस्तान में मनोरंजन कार्यक्रमों को प्रसारित करने या देखने वाली किसी भी चीज़ पर प्रतिबंध है। इस बार पबजी और टिकटॉक की बारी है। विश्व के कई देश इन एप्स पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। रूस, भारत ने भी इन एप्स को बैन कर दिया है। बैन के अलावा कई देशों ने इन एप्स पर सेंसरशिप लगा दी है। हाल ही में बीजीएमआई को भारत में बैन कर दिया गया है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान पर लगी सभी आतंकी धाराएं हटाने का निर्देश दिया

इस्लामाबाद । इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को आतंकी मामलों में लगी एटीए (आतंकवाद विरोधी अधिनियम) की धाराओं को हटाने का आदेश दिया है। इमरान खान पर एक महिला जज को धमकी देने का आरोप लगाया गया था। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने आदेश जारी कर कहा कि वह इमरान खान के ऊपर लगे सारे आतंकी मामले हटा रहा है। गौरतलब है कि पिछले माह आयोजित एक रैली में 69 वर्षीय इमरान खान ने देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार अपने सहयोगी शहबाज गिल के साथ किए गए कथित दुर्व्यवहार को लेकर शीर्ष पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने की धमकी दी थी। उन्होंने इस दौरान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी का विशेषतौर पर नाम लिया था। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि वह कार्रवाई के लिए तैयार रहें। इस बयान के कुछ घंटों के बाद ही पुलिस, न्यायपालिका और अन्य राजकीय संस्थानों को धमकी देने के आरोप में इमरान खान के खिलाफ आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया। अदालत ने पिछले सप्ताह मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खान की जमानत अवधि बढ़ाकर 20 सितंबर तक कर दी थी और उन्हें जांच के लिए इस्लामाबाद पुलिस की संयुक्त जांच टीम (जेआईटी) के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था। इमरान खान बुधवार को पूछताछ के लिए जेआईटी के समक्ष उपस्थित हुए थे। जेआईटी के समक्ष उपस्थित होने से पहले इमरान खान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह मामला एक मजाक है। उन्होंने कहा कि यह पूरी दुनिया के सामने मजाक है। क्योंकि सभी मुझे जानते हैं, पूरी दुनिया में खबर छपी है कि मेरे खिलाफ आतंकवाद के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि पूछताछ के बाद आज सोमवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने इमरान खान को आतंकवाद रोधी आरोप से बरी कर दिया है और उन पर जनसभा, रैलियों को संबोधित करने पर लगा प्रतिबंध भी हटा लिया गया है।

बांग्लादेश: पिछले साल की हिंसा के बाद कोमिल्ला में शांतिपूर्ण दुर्गापूजा मनाने की चल रही तैयारी

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने कोमिल्ला शहर में शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गापूजा संपन्न कराने के लिए तैयारियां शुरू कर दी है, जहां पर पिछले साल उपद्रवियों ने कथित ईशनिंदा के आरोप में प्रतिमाओं को खंडित कर दिया था। सरकार ने इस साल मंदिरों के भीतर दुर्गा पूजा मनाने की सलाह दी है ताकि प्रतिमाओं की बेहतर तरीके से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कोमिल्ला जिले के कलेक्टर मोहम्मद कमरुल हसन ने कहा कि उत्सव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा संपन्न कराने के लिए कोशिशें कर रहे हैं। बांग्लादेश सरकार ने सद्भावनापूर्ण माहौल में दुर्गा पूजा संपन्न कराने के लिए सभी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।' हसन ने 'पीटीआई-भाषा' के बताया, 'हमने दुर्गा पूजा आयोजन समितियों की 21 सितंबर को बैठक बुलाई है। इस बैठक में प्रशासन और पुलिस के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे।' अधिकारी ने बताया कि एक अक्टूबर से शुरू हो रहे उत्सव के लिए सुरक्षा बढ़ाई जाएगी और प्रशासन स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं। स्थानीय सांसद ए.के.एम. बहाउद्दीन बहार ने कहा कि दुर्गा पूजा समितियों से चर्चा की जा रही है और शांतिपूर्ण उत्सव के लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं। पिछले साल हुई हिंसा के बारे में उन्होंने कहा, ''वह सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने की सुनियोजित साजिश थी, लेकिन इस बार, वे सफल नहीं होंगे क्योंकि पूरा प्रशासन सतर्क है। हम सुझाव देंगे कि पूजा मंदिर के भीतर आयोजित की जाए ताकि हम बेहतर सुरक्षा मुहैया करा सकें।' सांसद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'सरकार ने जिले और पूरे देश में कई मंदिरों की मरम्मत कराई है। मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए 25 लाख टका (बांग्लादेशी मुद्रा) आवंटित किए गए हैं।' उन्होंने कहा कि पिछले साल जब हिंसा हुई थी तो वह शहर में नहीं थे। पाकिस्तान के साथ् 1971 की लड़ाई में लड़ने वाले '' मुक्तियोद्धा' एवं असम के हाफलोंग में भारतीय सेना द्वारा प्रशिक्षित बहार ने कहा, 'इस साल मैं शहर में व्यक्तिगत तौर पर पूजा की व्यवस्था को देखूंगा ताकि कोई सांप्रदायिक सदभाव को नुकसान नहीं पहुंचा सके।'

म्यांमार में हुए हवाई हमले में 7 बच्चों सहित 13 लोगों की मौत!

बैंकॉक । म्यांमा में सरकारी हेलीकॉप्टरों ने एक स्कूल और एक गांव पर हमला किया है, जिसमें सात बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गई है। स्कूल प्रशासक और एक सहायता कर्मी ने बताया कि देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मंडाले से लगभग 110 किमी दूर तबायिन के लेट यॉट कोन गांव में हाल ही में यह हमला हुआ। स्कूल की एक प्रशासक ने कहा कि गांव के उत्तर में मंडरा रहे चार में से दो एमआई-35 हेलीकॉप्टर ने मशीनगनों और भारी हथियारों से स्कूल पर हमला करना शुरू कर दिया तो वह छात्रों को भूतल पर स्थित कक्षाओं में सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कोशिश करने लगी। उन्होंने कहा कि स्कूल में छह छात्रों की मौत हो गई और पास के एक गांव में 13 वर्षीय एक लड़के की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह हमला देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 110 किलोमीटर (70 मील) उत्तर-पश्चिम में तबायिन के लेट यॉट कोन गांव में हुआ, जिसे डेपायिन के नाम से भी जाना जाता है। स्कूल प्रशासक ने कहा कि वह छात्रों को ग्राउंड फ्लोर की कक्षाओं में सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कोशिश कर रही थी, जब गांव के उत्तर में मंडरा रहे चार में से दो एमआई -35 हेलीकॉप्टर ने स्कूल में मशीनगनों और भारी हथियारों से हमला करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी हमले की उम्मीद नहीं थी क्योंकि विमान बिना किसी घटना के गांव के ऊपर से गुजर चुका था।

मैक्सिको में 7.6 की तीव्रता का आया भूकंप, एक की मौत

वॉशिंगटन । अमेरिका के मैक्सिको के मध्य प्रशांत तट पर सोमवार को 7.6 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग के मुताबिक स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजकर पांच मिनट पर भूकंप आया। इस जोरदार भूकंप में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इमारतों को नुकसान पहुंचा, बिजली गुल हो गई और मैक्सिको सिटी के निवासियों को सुरक्षा के लिए सड़कों पर भेज दिया गया। राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर ने एक वीडियो संबोधन में कहा कि एक स्टोर में दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मेक्सिको सिटी की मेयर क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि राजधानी में भूकंप के झटके के बाद तत्काल नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। अपने संबोधन में मौत की घोषणा करने से पहले एक मैसेज में लोपेज ओब्रेडोर ने कहा कि भूकंप के केंद्र के पास के इलाकों में नुकसान हुआ है। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों में इमारतें क्षतिग्रस्त नजर आ रही हैं। भूकंप का केंद्र एक्विला से 37 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में कोलिमा और मिचोआकन राज्यों की सीमा के पास 15.1 किलोमीटर की गहराई में था। शुरुआत में भूकंप की तीव्रता 7.5 बताई गई थी। गौरतलब है कि मैक्सिको में 1985 और 2017 में भी इसी दिन भूकंप के झटके महसूस ?किए गए थे। 19 सितंबर, 1985 को आए भूकंप में हजारों लोग मारे गए थे और 19 सितंबर, 2017 को आए भूकंप में 350 से अधिक लोग मारे गए थे। वहीं यूएस पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने मेक्सिको के तट के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करते हुए कहा कि लहरें 3 से 9 फीट ऊपर पहुंच सकती हैं।

नाइजीरिया में विरोध प्रदर्शन कर नारे लगाते हुए नाइजीरियाई छात्र।

देश को विभाजित करने वाली किसी भी गतिविधि को चीन सहन नहीं करेगा

बीजिंग । ताइवान पर हक जताने के मसले पर चल रही तनातनी के बीच वाले चीन ने कहा कि वह उसके शांतिपूर्ण एकीकरण के लिए पूरी ईमानदारी से कोशिश करेगा और देश को विभाजित करने के उद्देश्य से की गई किसी भी गतिविधि को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन की इस टिप्पणी को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के ताइवान को लेकर दिए गए बयान के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। बाइडेन ने कहा है कि यदि चीन स्वशासित ताइवान पर हमला करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी सेना उसकी रक्षा करेगी। चीन इस स्वशासित द्वीप पर अपना दावा करता है। एक साक्षात्कार में बाइडेन से पूछा गया कि 'यदि चीन ताइवान पर हमला करता है, तो क्या अमेरिकी सुरक्षाबल, अमेरिकी पुरुष एवं महिलाएं उसकी रक्षा करेंगे।' इसके जवाब में बाइडेन ने 'हां' कहा। साक्षात्कार के बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। इस नीति के तहत अमेरिका का मानना है कि ताइवान का मामला शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए, लेकिन नीति यह नहीं बताती कि चीनी हमले की स्थिति में अमेरिकी सुरक्षाबलों को भेजा जा सकता है या नहीं। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बाइडेन के साक्षात्कार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि अमेरिकी नेता की इस टिप्पणी ने एक चीन नीति और ताइवान से संबंधित तीन संयुक्त शासकीय परिपत्रों का गंभीर उल्लंघन किया है। माओ निंग ने कहा कि बाइडेन की टिप्पणी ने ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता का गंभीर रूप से उल्लंघन किया और ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाली ताकतों को एक गलत संकेत दिया है।

एक फोन के लिए तरसते रहे इमरान

अब शाहबाज शरीफ की फेस-टू-फेस होगी बाइडेन से मुलाकात

कीव (एजेंसी)।

20 जनवरी, 2021 को अमेरिकी राष्ट्रपति के पर काबिज होने के बाद से जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित विश्व के कई नेताओं को फोन किया। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान के पीएम से कभी कोई संपर्क नहीं किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के फोन के इंतजार करते-करते सत्ता से रुकसत हो गए। लेकिन अब पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की जो बाइडेन से सीधी मुलाका होने वाली है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मिलने की संभावना है।

एक मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को यह जानकारी दी गई। सरकारी रेडियो पाकिस्तान की खबर के अनुसार शरीफ 20 सितंबर से शुरू हो रहे संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में भाग लेने के लिए शनिवार को लंदन होते हुए अमेरिका के लिए रवाना हो गए। पांच दिवसीय यात्रा पर अमेरिका के लिए प्रस्थान करेंगे, जिसके दौरान वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (डब्ल्यूबी)के साथ बैठकें भी करेंगे। पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक बाइडन और शहबाज के बीच कोई द्विपक्षीय बैठक भले न हो लेकिन रिसेप्?शन के दौरान दोनों नेताओं के बीच अनौपचारिक बातचीत होगी। बाइडन के सत्ता में आने के बाद यह किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से उनका पहला संवाद होगा।

पैसों की तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान अपनी आर्थिक तंगी से उबरने के लिए करीबी सहयोगियों से मदद मांग रहा है. पिछले महीने, आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए 1.1 बिलियन अमरीकी डालर के बेलआउट पैकेज को मंजूरी दी थी। आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1.1 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के संवितरण को मंजूरी दे दी है, जिससे एक गंभीर आर्थिक संकट और विनाशकारी बाढ़ के बावजूद डिफ़ॉल्ट रूप से रोकने में मदद करने के लिए रुके हुए 7 बिलियन अमरीकी डालर के सहायता पैकेज को पुनर्जीवित करने की उम्मीद है।

जयशंकर न्यूयॉर्क पहुंचे, संयुक्त राष्ट्र महासभा सेत्र के अलावा 50 से अधिक आधिकारिक कार्यक्रमों में लेंगे हिस्सा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र के लिए यहां पहुंच गए हैं। इस यात्रा पर वह द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों समेत 50 से अधिक आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने ट्वीट किया संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में भाग लेने के लिए यहां आए हमारे विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का स्वागत करके खुशी हुई। वह इस सप्ताह के दौरान कई द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों में भाग लेंगे या उनकी सह-अध्यक्षता करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सप्ताह यहां शुरू हो रहे उच्च स्तरीय सत्र में भारत मुख्य रूप से आतंकवाद पर अंकुश, शांति रक्षा, जलवायु परिवर्तन रोकने संबंधी कार्यक्रम और कोविड-19 टीके का समान वितरण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें वार्षिक सत्र में हिस्सा लेने के लिए रविवार को न्यूयॉर्क पहुंचे जो खुली बहस के साथ 20 सितंबर को शुरू होगा। जयशंकर सत्र से इतर सप्ताह में 50 से अधिक द्विपक्षीय और बहुपक्षीय आधिकारिक बैठकों के बाद 24 सितंबर को विश्व नेताओं को संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से संबोधित करेंगे। वह अल्बानिया, माल्टा, मिस्र और इंडोनेशिया के अपने समकक्षों, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष साबा कोरोसी और कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत करेंगे। वह फ्रांस-भारत-संयुक्त अरब अमीरात त्रिपक्षीय बैठक में भी हिस्सा लेंगे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने ट्विटर पर पोस्ट किए एक वीडियो में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए पांच 'एस'-सम्मान, संवाद, सहयोग, शांति और समृद्धि- का मंत्र महासभा के 77वें सत्र में भारत का मार्गदर्शक होगा। जयशंकर की 18 से 28 सितंबर की अमेरिकी यात्रा में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के बाद वाशिंगटन डीसी की भी एक यात्रा शामिल होगी जबकि न्यूयॉर्क में वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात करेंगे। वह जी20 और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। आजादी का अमृत महोत्सव' का जश्न मनाते हुए वह 24 सितंबर को एक खास कार्यक्रम भारत एट 75 : भारत-संयुक्त राष्ट्र साझेदारी को प्रदर्शित करते हुए, को संबोधित करेंगे, जिसमें भारत की विकास यात्रा तथा दक्षिण-दक्षिण सहयोग में उसके योगदान को दिखाया जाएगा।

महारानी एलिजाबेथ को श्रद्धांजलि देते समय राष्ट्रगान नहीं गाने पर विवादों में घिरे प्रिंस हैरी

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के अंतिम संस्कार में 'गॉड सेव द किंग' नहीं गाने पर प्रिंस हैरी विवादों में घिर गए हैं। दरअसल अंतिम संस्कार के लिए सोमवार को वेस्टमिंस्टर एब्बे में ब्रिटिश शाही परिवार और 2,000 से अधिक मेहमान एकत्रित हुए थे, जहां 'गॉड सेव द किंग' गाकर महारानी को श्रद्धांजलि दी जा रही थी। सोशल मीडिया पर कुछ दर्शकों ने एक छोटा सा वीडियो डालकर दावा किया कि प्रिंस हैरी एंथम गाने की जगह इधर उधर देख रहे हैं। इस मौके पर कई ट्विटर यूजर्स ने प्रिंस पर अपमानजनक रवैये का आरोप लगाया। ऐसे ही एक यूजर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा ?कि प्रिंस हैरी राष्ट्रगान नहीं गा रहे हैं। ऐसे ही कुछ यूजर्स ने पोस्ट पर की गई टिप्पणियों में प्रिंस हैरी की इस हरकत पर निराशा व्यक्त की। हालांकि अन्य लोगों ने यह कहकर उनका बचाव किया कि वे उन्हें गाते हुए दिख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि एंथम के कुछ शब्द बदल गए हैं शायद इसलिए वह पूरा गाना ही भूल गए होंगे। प्रिंस हैरी के समर्थन में आये एक यूजर ने कहा कि कई बार उदास होने की वजह से लोग गा नहीं पाते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह महारानी का अपमान कर रहे हैं।

बमबारी पीड़ितों को मुआवजे मामले में संपत्ति जब्ती को लेकर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में ईरान-अमेरिका आमने-सामने

तेहरान (एजेंसी)।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि बमबारी के पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए वॉशिंगटन द्वारा ईरान के बैंक खातों से लगभग दो अरब डॉलर की संपत्ति जब्त करना ईरान सरकार को अस्थिर करने का प्रयास और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन था। ईरान ने 2016 में तब अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में मुकदमा दायर किया था जब अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने फैसला किया था कि ईरान के केंद्रीय बैंक में रखे गए धन का इस्तेमाल लेबनान में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर 1983 में हुई बमबारी में मारे गए 241 लोगों के परिजनों को मुआवजे के लिए किया जा सकता है। इस बमबारी से ईरान का संबंध माना जाता है। मामले में दांव पर 1.75 अरब डॉलर के बांड हैं, साथ ही संचित ब्याज, जो ईरान से संबंधित है लेकिन न्यूयॉर्क में सिटी बैंक खाते में रखा है। वर्ष 1983 में, सैन्य-श्रेणी के विस्फोटकों से भरे ट्रक से एक आत्मघाती हमलावर ने बेरूत में अमेरिका की मरीन बैरक पर हमला किया था जिसमें 241 अमेरिकी सैनिक और 58 फ्रांसीसी सैनिक मारे गए थे। ईरान जहां इसमें शामिल होने से इनकार करता रहा है, वहीं एक अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश ने 2003 में इसके लिए तेहरान को जिम्मेदार ठहराया था।

चीन करीबी दोस्त लेकिन भारत हमारा भाई है, श्रीलंकाई राजदूत ने कहा- हमारी जमीन का इस्तेमाल उसके खिलाफ नहीं हो सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंडा मोरागोडा ने द्वीप राष्ट्र में आर्थिक संकट के दौरान एक सहायता प्रदान करने के लिए भारत का आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि यह उनके देश के आर्थिक पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका को भारत की सहायता पर श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंडा मोरागोडा ने कहा कि हम बहुत आभारी हैं, यह ऐसे समय में था जब किसी ने कदम नहीं उठाया था। भारत श्रीलंका के लिए मजबूती के साथ खड़ा है। उन्होंने दिल्ली में भारतीय महिला प्रेस कोर में मीडिया से बातचीत करते हुए ये बातें कहीं।

पिछले महीने द्वीप के दक्षिणी बंदरगाह पर चीनी शोध जहाज के डॉकिंग के मामले में, श्रीलंकाई दूत ने कहा कि उनका देश मुद्दों से बचने के लिए भारत के साथ सहयोग के लिए एक रूपरेखा पर काम कर रहा है। मोरागोडा ने कहा कि चीनी जहाज 'युआन वांग 5' को डॉकिंग की अनुमति देने का निर्णय जब पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे देश छोड़ रहे थे उस समय में ÷अधिकारियों÷ के स्तर पर लिया गया था। श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंडा मोरागोडा ने सोमवार को कहा कि उनका देश भारत के साथ सहयोग के लिए एक योजना पर काम कर रहा है, ताकि उसके (श्रीलंका के) हंबनटोटा बंदरगाह पर पिछले महीने चीन के एक अनुसंधान पोत के रूकने जैसे मुद्दों को टाला जा सके।

राजदूत मिलिंदा मोरागोडा ने महिंदा राजपक्षे की उस टिप्पणी का हवाला दिया जिसमें वह कहा करते थे कि ÷चीन करीबी दोस्त है लेकिन भारत हमारे भाई-बहन की तरह है। मोरागोदा ने दोनों देशों के बीच संबंधों को 'खास' बताया और कहा कि भारत के सुरक्षा हित हमारे अपने सुरक्षा हित हैं। बता दें कि चीनी बैलिस्टिक मिसाइल और उपग्रह निगरानी पोत चीन संचालित हंबनटोटा बंदरगाह पर 16 अगस्त से 22 अगस्त तक रूका था। भारत ने पोत की यात्रा के उद्देश्य को लेकर चिंता जाहिर की थी।

यूक्रेन की हरकत का हुआ खुलासा, कब्जाए गए रूसी टैंकों का हो रहा इस्तेमाल

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेन उत्तर पूर्वी क्षेत्र पर अपनी बढ़त को मज़बूत करने के लिए रूस के पकड़े गए टैंकों को तैनात कर रहा है। यह दावा अमेरिका के एक थिंकटैंक ने किया है। वहीं कीव ने उन क्षेत्रों पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है जिनपर रूस ने कब्जा कर लिया है। वाशिंगटन स्थित 'इंस्टीट्यूट फॉर स्टडी ऑफ वार' ने रूसी दावों के हवाले से कहा कि यूक्रेन टी-72 टैंकों का इस्तेमाल कर रहा है जिन्हें रूसी सेना ने छोड़ दिया था और अब यूक्रेन रूस के कब्जे वाले क्षेत्र लुहांस्क में आगे बढ़ने की कोशिश में है।

संस्थान ने कहा, 'जवाबी हमले से शुरू में घबराए रूसी सैनिक उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण छोड़ गए थे जो चालू स्थिति में हैं जबकि अप्रैल में कीव से पीछे हटने के दौरान रूसी सैनिक क्षतिग्रस्त उपकरण छोड़कर गए थे।' इस महीने के शुरू में यूक्रेन ने जबावी हमले शुरू किए थे और अपने दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव के आसपास के इलाकों में उसके सैनिक घुस गए थे।

वीडियो और फोटो में दिख रहा है कि यूक्रेनी सैनिक टैंकों, गोलाबारूद और अन्य हथियारों को अपने कब्जे में ले रहे हैं जिन्हें रूस के सैनिक पीछे हटने के दौरान वहां छोड़ गए थे। इस दौरान यूक्रेन के सैनिकों को इजीयुम (रिपीट) इजीयुम शहर के पास कब्रें मिली हैं। यूक्रेन के उप गृह मंत्री येवहेनी येनीन ने एक टीवी चैनल को बताया कि अधिकारियों ने कब्रों की खुदाई की तो उनमें से शव मिले हैं और ऐसा लगता है कि उन्हें प्रताड़ित किया गया था।

उन्होंने कहा कि शवों की पसलियां, सिर की हड्डी, जबड़ा टूटा हुआ है और उन्हें अन्य तरीकों से भी प्रताड़ित किया गया है। यूक्रेन के अधिकारियों का आरोप रहा है कि रूस ने कब्जाए गए क्षेत्रों में लोगों को प्रताड़ित किया है लेकिन रूस ने इन इल्ज़ामों का खंडन किया है। इस बीच, यूक्रेनी बल देश के दक्षिणी हिस्से में आगे बढ़ रहे हैं। संस्थान ने यूक्रेन की सेना के हवाले से कहा कि कीव की फौज ने गोलाबारूद के एक डिपो, दो कमान चौकियों और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली को तबाह कर दिया है। यूक्रेनी सेना की दक्षिणी कमान ने बताया कि उसने मंगलवार को तड़के रूस के कब्जे वाले नोवा काखोवका शहर के पास रूस के बजरे को नीपर नदी में डुबा दिया जिसमें उसके सैनिक और हथियार सवार थे।

संपादकीय

कुछ दिन अलग रखने के बाद जब ये चीते भारतीय वातावरण के अनुकूल हो जायेंगे तो विशेष रेडियो-कॉलर लगे चीते नेशनल पार्क का हिस्सा बन जायेंगे। बताते हैं कि पांचवें दशक में चीता भारत से लुप्त हो गया था। अब इसे फिर से आबाद करने के लिये वन व पर्यावरण मंत्रालय ने महत्वाकांक्षी योजना को अंजाम दिया।

सात दशक बाद चीता

लुप्त होने के बावजूद आधी सदी से भी अधिक समय तक भारतीयों के अवचेतन में मौजूद रहा चीता अब एक हकीकत बन गया है। जिसे पारिस्थितिकीय तंत्र की बहाली की दिशा में सार्थक पहल बताया जा रहा है। पर्यटकों व वन्यजीवियों के उत्साह के इतर इससे स्थानीय समुदायों के लिये आजीविका के अवसर बढ़ने की बात कही जा रही है। इस अंतर-महाद्वीपीय परियोजना को लेकर देश-दुनिया में खास चर्चा है। बहरहाल, मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय पार्क में इन अफ्रीका से लाये गये आठ चीतों को लेकर खूब गहमागहमी है। कुछ दिन अलग रखने के बाद जब ये चीते भारतीय वातावरण के अनुकूल हो जायेंगे तो विशेष रेडियो-कॉलर लगे चीते नेशनल पार्क का हिस्सा बन जायेंगे। बताते हैं कि पांचवें दशक में चीता भारत से लुप्त हो गया था। अब इसे फिर से आबाद करने के लिये वन व पर्यावरण मंत्रालय ने महत्वाकांक्षी योजना को अंजाम दिया। लेकिन इस परियोजना को लेकर जहां उत्साह है, वहीं आशंकाएं भी कम नहीं हैं। कुछ पर्यावरणवादी कह रहे हैं कि इस प्रयास से जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण सेवाओं को लाभ मिलेगा। स्थानीय पर्यटन बढ़ेगा। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में फूड चेन का जो असंतुलन हो रहा था उसमें सुधार आयेगा। वहीं एक वर्ग आशंका जता रहा है कि यह उद्यान चीतों के लिये आदर्श नहीं क्योंकि बाघ व तेंदुओं के बीच संघर्ष में चीतों को शिकार करने में बाधा पैदा होगी। निस्संदेह यह यक्ष प्रश्न बना रहेगा कि चीते खुद को भारत के वातारवरण के अनुरूप सहजता से ढाल पायेंगे? बहरहाल, इस कदम को जैव विविधिता के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दुनिया ने देखा है कि भारत ने बाघों का संरक्षण करके मिसाल कायम की है। वह बात अलग है कि तस्करों व शिकारियों के हमलों से वन्य जीवों के जीवन पर संकट बरकरार है। वहीं अन्य जीवों को पर्याप्त संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में दूसरे महाद्वीप में बसाये जा रहे चीतों को लेकर शेष दुनिया की नजर बनी रहेगी। वहीं भारत में हर किसी की इच्छा होगी कि नामीबिया से लाये गये चीतों का कुनबा भारत में बढ़े। कोशिश करें कि राष्ट्रीय उद्यानों व अभ्यारण्यों में मानवीय हस्तक्षेप कम से कम हो। हमें यह ध्यान रखना होगा कि कई दुर्लभ प्रजातियों पर अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के दौर में देश के जनमानस को पर्यावरण व जैव विविधता के महत्व को बताना होगा और वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना होगा। उन्हें बताना पड़ेगा कि मानव अस्तित्व भी जैव विविधिता के संरक्षण से जुड़ा है। ये आने वाला वक्त बतायेगा कि ये चीते शेरों व तेंदुओं से अपना बचाव किस हद तक कर पाते हैं। निस्संदेह सरकार ने सभी पहलुओं पर विचार करके ही यह कदम उठाया होगा। जनजागरण के लिये चीता मित्रों की फौज भी एक रचनात्मक पहल ही कही जायेगी। यह सार्थक ही है कि मनमोहन सरकार के समय हुई पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान सिरे चढ़ सकी।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

पिता (बेटे से), 'बेटे झूठ बोलना बहुत बुरी बात हैं अब मुझे देखो मुझे याद नहीं पड़ता मैंने जिंदगी में कभी झूठ बोला हो।'

बेटा, 'आप ठीक कहते हैं पिता जी। बिलकुल नहीं याद होगा क्योंकि बुढ़ापे में याद दाश्त कमजोर हो जाती हैं।'

□ □ □

राम (शाम से), 'मेरे पास ऐसी चीज हैं जो तुम्हारे पास नहीं है। जानते हो वह क्या है।'

शाम, 'बेवकूफी और बदबू।'

□ □ □

पहला, 'आपको मेरा चैक मिल गया?'

दूसरा, 'जी हां, दो बार।'

पहला, 'वह कैसे?'

दूसरा, 'एक बार आपसे दूसरी बार बैंक से।'

□ □ □

पिता बेटे से, 'तुम्हें क्लास में सबसे ज्यादा नम्बर क्यों नहीं मिलते?'

पुत्र, 'आपको दफ्तर में सबसे ज्यादा तनख्वाह क्यों नहीं मिलती?'

□ □ □

एक टूरिस्ट कमर में रस्सी बांधे,पहाड़ पर चढ़ रहा था। उसने अपने गाइड से कहा, 'अगर रस्सी टूट जाए तो क्या होगा?'

गाइड ने उतर दिया, 'चिंता न करो, हमारे पास रस्सियां बहुत हैं।'

चीतों की सौगात से पर्यटन में नये अध्याय का आगाज

लेखक- -राकेश कुमार वर्मा

वर्ष 1940 के दशक से विलुप्तप्राय चीतों के संरक्षण के लिए सबसे पहले उन्होंने वर्ष 1972 में ईरानी चीते लाने के मिशन पर कार्य करने के साथ ही कूनो को सेक्कुरी बनाने की पहल की।7 जुलाई 2009 में एक ध्यानाकर्षण सूचना पर तत्कालीन केन्द्रीय पर्यावरण और वन मंत्री जयराम रमेश ने राज्यसभा में कहा कि पिछले 100 वर्षों में देश से लुप्त चीते को विदेशों से लाकर इसकी संख्या बढ़ानी चाहिये।

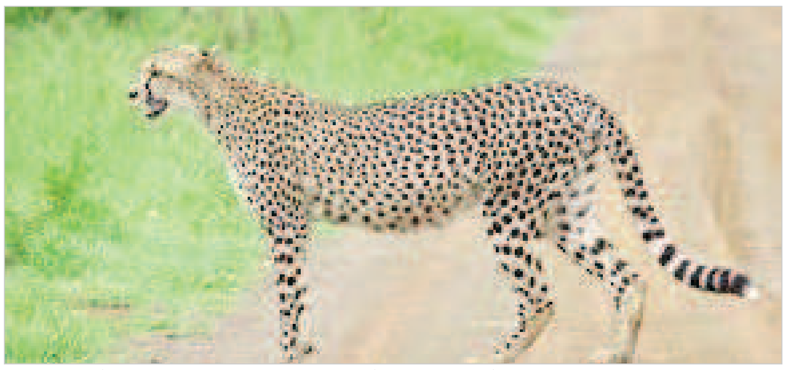

नामीबिया से आयातित 8 चीतों को मध्यप्रदेश की श्योपुर के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में विमुक्त करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व की पहली अंतर महाद्वीपीय चीता पुनर्वास परियोजना की शुरुआत की। 750 वर्ग किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र में योजना के तहत विलुप्त हो चुके चीतों के संवर्धन का दायित्व देकर राज्य को नये प्रतिमान गढ़ने का अवसर दिया है। भौगोलिक और प्रजनन अनुकूलता के मद्देनजर भले ही प्रदेश को यह गौरव हासिल हुआ हो लेकिन, इस परियोजना के लिए मध्यप्रदेश कैडर के 1961 बैच के भारतीय प्रशासनिक अधिकारी एम के रंजीत सिंह की 50 वर्षों के प्रयासों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्ष 1940 के दशक सें विलुप्तप्राय चीतों के संरक्षण के लिए सबसे पहले उन्होंने वर्ष 1972 में ईरानी चीते लाने के मिशन पर कार्य करने के साथ ही कूनो को सेक्कुरी बनाने की पहल की। 7 जुलाई 2009 में एक ध्यानाकर्षण सूचना पर तत्कालीन केन्द्रीय पर्यावरण और वन मंत्री जयराम रमेश ने राज्यसभा में कहा कि पिछले 100 वर्षों में देश से लुप्त चीते को विदेशों से लाकर इसकी संख्या बढ़ानी चाहिये। उल्लेखनीय है कि अनुवांशिक कारकों और चीता के प्रतिद्वंदी शेर, तेंदुए, लकड़बग्घे, जंगली कुत्तों और चील सहित शिकारियों के कारण चीता शावकों की मृत्युदर सर्वाधिक होती है। इन चुनौतियों के बीच उनका संवर्द्धन किया जाना जरूरी है। इस पर दिव्य भानुसिंह और एम के रणजीत सिंह नामक विशेषज्ञों ने अफ्रीका से चीतों के आयात का सुझाव दिया, जिससे वर्ष 2020 में अफ्रीकी चीतों को लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार भारत में चीतों का पुनर्वास तब माना जायेगा जब यहां चीतों की संख्या 500 हो जायेगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से प्रतिवर्ष 8 से 12 चीते लाये जायेंगे। इसे देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर चीतों के संवर्द्धन पोशण की भूमिका बनाई गई है। चीतों की नस्ल विशाल मैदानी क्षेत्र, अर्द्ध मरुभूमि, घास के मैदान और शिकार की अधिकतम संभावनाओं वाले स्थानो में पनपती हैं। कूनो का चयन यहां पर्याप्त चीतल, नीलगाय, सांभर, सियार, ब्लेक बक, बंदर की उपलब्धता है जो चीते का आहार है। उसके अनुकूल औसत बारिश और गर्मी के साथ ही घासयुक्त मैदानी भाग उसे गति देने में सहायक हैं। शिवपुरी के जंगल और चंबल नदी की अनुकूलता के कारण यहॉ 27 चीतों के संरक्षण की क्षमता थी जिसे 120 वर्ग किलोमीटर के जंगल के अलावा 32 चीतों तक बढ़ाया जा सकता है। इस अभयारण्य के आसपास के बफर जोन के कुशल प्रबंधन के साथ कूनों में 70 से अधिक चीतों के संरक्षण की क्षमता है। बिल्ली की विडाल प्रजाति में शामिल चीता अपनी अद्भुत फुर्ती और सर्वाधिक गति 120 किमी/घंटा के लिए पहचाना जाता है। चीता शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के चित्रकायः अर्थात बहुरंगी काया से हुई है जो हिन्दी में चीता के रूप मे प्रचलित है । जीनोमिक डाइवरसिटी की प्रयोगशाला के अनुसार चीता एशिया प्रवास से पूर्व अफ्रीका में विकसित हुआ। कई स्रोतों ने चीता के एशियाई चीता, उत्तर पश्चिमी अफ्रीकी चीता, एसिनोनिक्स जुबेटस राइनेल, एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस, एसिनोनिक्स जुबेटस सोमेरिंगी तथा एसिनोनिक्स जुबेटस वेलोक्स जैसे छह प्रजातियों में सूचीबद्ध किया है, लेकिन अधिकांश प्रजातियों के वर्गीकरण अभी भी अस्पष्ट हैं चीता का वक्षस्थल सुदृढ़ और कमर पतली होती है। एक वयस्क चीते का भार 36 से 65 किलो, लंबाई 53 इंच व ऊँचाई 37 इंच तक होती है। इसका मेरुदण्ड इतना लचीला होता है कि तेज दौड़ते समय पिछले पैर इसके अगले पैर से आगे आ जाते हैं अर्थात् ये बाघ, शेर तेंदुए और जगुआर के मुकाबले अधिक दूरी तक छलांग लगाने में सक्षम है। इसकी तीव्रगति का कारण इसका वृहद नासाद्वार, हृदय और फेफड़े हैं जो अधिक से अधिक ऑक्सीकरण के लिए सहायक हैं। इसके आंख के कोने वाले भाग में बने काले ऑसू जैसी आकृति नाक के नीचे मुंह तक जाते हैं जो सूर्य के तीव्र प्रकाश में भी शिकार को दूर तक देखने में सक्षम है। जब यह तेजी से शिकार का पीछा करता है तो इसकी श्वास दर 60 से 150 प्रति मिनट हो जाती है जो उसके लिए घातक हो सकता है, इसलिए 460 मीटर की दूरी तय करने के बाद इसे विश्राम की आवश्यकता पड़ती है। चीते का भोजन उसके परिवेश पर निर्भर करता है। शिकार के लिए यह उन जानवरों को साधता है जो झुण्ड से अलग चलता है। ये अपने क्शेत्र की सीमा निश्चित करने के लिए किसी विशेष स्थान, वस्तु पर पेशाब करते हैं। यदि परिवार में एक ही नर चीता है तो वो दूसरे परिवार के नर चीतों के साथ मिलकर समूह बना लेते हैं या दूसरे समूह में शामिल हो जाते हैं। ये प्रातः अथवा सायं को अधिकांशतः 40 किलोग्राम भार वाले स्तनधारी जीवों का शिकार करते हैं । ये अपने भोजन को उसकी गंध से नहीं बल्कि उसकी छाया से पहचानकर शिकार करते हैं। यदि प्रथम प्रयास में शिकार करने में सफल नहीं होते तो वह उस जीव को छोड़ देते हैं। बड़ी बिल्ली के विपरीत चीता घुरघुराहट के रूप में सांस लेते हैं, पर गर्जन नही कर सकते। लेकिन क्रोधित होने पर इनकी गुर्राहट शेर से कम भयावह नहीं होती। मादा चीता नर से छोटी होती है और यह अन्य मादा सदस्यों के साथ रहना पसंद करती है। लगभग दो वर्ष में वयस्क मादा चीता एक से नौ शावकों को जन्म दे सकती है। जन्म के साथ ही जिनकी गर्दन से पीठ तक रोएंदार मुलायम बाल होते हैं जो आयु बढ़ने के साथ ही झड़ने लगते हैं। प्रसव के डेढ़ माह बाद ही यह अपने बच्चों को शिकार करना सिखाने लगती है। जब यह अपने शावकों के साथ होती है तो बिल्ली जैसी आवाज निकालती है जबकि शावक चिड़ियों जैसी चिर्पिंग करते हैं। इनका औसत जीवनकाल 12 से 20 वर्ष तक रहता है। चीता की खाल को पहले प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता था। आज यह पारिस्थितिकी तंत्र का पर्याय है। बिल्ली प्रजातियों के अन्य हिंसक पशुओं में इसे सबसे कम आक्रामक माना जाता है। प्राचीन मिस्र निवासी अपने शिकार के लिए चीते को प्रशिक्षित करते थे। यह परंपरा फारसियों से बीसवीं शताब्दी में भारत पहुंची जो चंगेज खान, चार्लेमग्ने और मुगल सम्राट अकबर के शान-ए-शौकत का इतिहास बताती है। इस प्र्जाति के लप्त होने के बाद आये शोध ने यह साबित कर दिया है कि चीता पालतू पशुओं का शिकार नहीं करते । इस योजना से प्रेरित किसानो को अभियान चलाकर प्रशिक्षित किया जा रहा है। विभिन्न शोधों से पता चला है कि चीता एक संवेदनशील प्रजाति है जो नए वातावरण को शीघ्र स्वीकार नहीं करता। पारिस्थितिकी तंत्र को बनाये रखने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने का यह अनुकरणीय प्रयास है। इसने न केवल जैव संपदा को विभूशित किया है अपितु प्रदेश में राजस्व प्राप्ति के नवीन विकल्पों का मार्ग प्रशस्त किया है। शहरीकरण के चलते सिकुड़ते वन क्षेत्र, शिकार, तस्करी, प्रदूषण, राजनीतिक प्रभाव जैसे बदलते परिवेश के बीच चीतों के गुणसूत्र व उनके अनुवांशिकी लक्षण को अप्रभावित बनाये रखने मे हम कहॉ तक सफल होते हैं, यह देखना बाकी है।

विचार मंथन

रूस से फायदे का सौदा

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

हाल ही में उज्बेकिस्तान के समरकंद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात चर्चा में रही। इस दौरान यूक्रेन युद्ध को लेकर मोदी ने पुतिन को नसीहत भी दी। दुनिया भर से इस नसीहत को सराहना मिल रही है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब पश्चिम के कुछ देशों ने भारत द्वारा रूस से सस्ता तेल आयात करने पर भारत की आलोचना की थी। लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर अमेरिका समेत कई देशों के कड़े प्रतिबंधों के बावजूद भी भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा था। भारत ने रूस से तेल खरीद के जरिए 35 हजार करोड़ रुपए की भारी बचत की है। दरअसल पश्चिमी देशों के विरोध के बावजूद भारत ने तेल आयात करने का फैसला किया था। इस फैसले के नफा नुकसान को लेकर काफी चर्चा हुई थी। भारत ने इस साल की पहली तिमाही में रूस से 6.6 लाख टन कच्चा तेल आयात किया। यह दूसरी तिमाही में बढ़कर 84.2 लाख टन हो गया। इस दौरान रूस ने प्रति बैरल 30 डॉलर का डिस्काउंट भी दिया। इसके चलते पहली तिमाही में एक टन कच्चे तेल के आयात की लागत करीब 790 डॉलर थी। इसके बाद दूसरी तिमाही में यह घटकर 740 डॉलर रह गई। इस तरह भारत को कुल 35 हजार करोड़ रुपए का फायदा हुआ। इसी अवधि में अन्य स्रोतों से आयात की लागत बढ़ी थी। रूस से 2022 में सस्ते तेल का आयात 10 गुना बढ़ा है। कारोबार 11.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह साल के आखिर तक रिकॉर्ड 13.6 अरब डॉलर तक पहुंचने की प्रबल संभावना है। भारत चीन के बाद रूसी कच्चे तेल के दूसरे सबसे बड़े खरीदार के रूप में उभरा है। जुलाई में रूस भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया, जिसने सऊदी अरब को तीसरे स्थान पर पछाड़ दिया। हालांकि बाद में सऊदी अरब अगस्त तक फिर अपनी स्थिति में वापस आ गया और अब रूस भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल से जुलाई के दौरान रूस से भारत का खनिज तेल आयात आठ गुना बढ़कर 11.2 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.3 अरब डॉलर था। मार्च के बाद से जब भारत ने रूस से आयात बढ़ाया है तो यह आयात 12 अरब डॉलर से ऊपर हो गया है, जो पिछले साल 1.5 अरब डॉलर से थोड़ा अधिक था। इनमें से करीब 7 अरब डॉलर का आयात जून और जुलाई में हुआ है। भारत के लिए तेल की कीमतें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह आयात 83 प्रतिशत मांग को पूरा करता है। इसमें भारत सरकार काफी पैसे खर्च करती है। एक तथ्य यह भी है कि देश का तेल आयात बिल 2021-22 में दोगुना होकर 119 बिलियन डॉलर हो गया। इससे सरकारी वित्त में काफी दबाव आया और महामारी के बाद आर्थिक सुधार पर असर भी पड़ा। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक सेमिनार में कहा था कि रूस से तेल आयात करना मुद्रास्फीति प्रबंधन रणनीति का हिस्सा था और अन्य देश भी कुछ ऐसा ही कर रहे थे। यूक्रेन से जंग करने को लेकर जहां एक तरफ पश्चिमी देशों ने रूस से मुंह मोड़ लिया है, वहीं ऐसे मुश्किल समय में भी भारत और चीन मजबूती से रूस के साथ खड़े हैं। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद दोनों देशों ने अभी तक इस मामले में रूस के खिलाफ स्टैंड नहीं लिया है। युद्ध के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से रूस की अर्थव्यवस्था को खासा नुकसान हुआ है, लेकिन ऐसे मुश्किल समय में भारत और चीन भारी मात्रा में रूस से तेल खरीदकर उसकी मदद कर रहा है। हालांकि रूस से तेल खरीदने से दोनों देशों को भी फायदा हो रहा है, लेकिन ऐसे समय में जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिए हो तब भारत और चीन का तेल खरीदना रूस को बड़ी राहत दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस की मुद्रा रूबल अगर डॉलर के मुकाबले दुनिया की सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली करेंसी बनी तो इसमें भारत का बड़ा योगदान है। दरअसल रूस से भारी-भरकम तेल खरीदने के बदले भारत उसे रूबल में भुगतान करता है। इससे रूस की मुद्रा बल को मजबूती मिली।

भूलने की बीमारी

विश्व अल्जाइमर दिवस

लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

अल्जाइमर यानि भूलने की बीमारी जो अधिकांश बुजुर्गो में अधिक मिलती है, लेकिन आजकल युवावर्ग में भी यह बहुत अधिक पाई जा रही है। हर साल 21 सितंबर को अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। अल्जाइमर बीमारी डिमेंशिया रोग का प्रकार है। डिमेंशिया के बहुत सारे प्रकार हैं। इसलिए इसे अल्जाइमर डिमेंशिया कहते है। यह वृद्धावस्था में होने वाला एक रोग है, जिसमें मरीज की स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती है जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे यह रोग बढ़ता जाता है। याददाश्त क्षीण होने के अलावा रोगी की सोच-समझ, भाषा और व्यवहार पर खराब प्रभाव डालता है।

नुकसान

इस रोग के मरीज सामान रखकर भूल जाते हैं, यहाँ तक कि लोगों के नाम, पता या नंबर, खाना, अपना ही घर, बैंक संबंधी कार्य, नित्यक्रिया भूलने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। मरीज चिड़चिड़ा, अचानक रोने लगना, भाषा व बातचीत प्रभावित होना आदि में परिवर्तन आ सकता है। इस रोग के उपचार के लिए रोगी की दिनचर्या को सहज व नियमित बनाए, समय पर भोजन, नाश्ता, बटन रहित कुर्ता पजामा, सुरक्षा आदि पर ध्यान दें। रोगी का कमरा खुला होना चाहिए। रोगी की आवश्यकता की वस्तुए एक स्थान पर ही रखें। कुछ दवाईयाँ लें जिनसे आपकी याददाश्त में इजाफा हो।

इन दवाओं से मस्तिष्क के रसायनों के स्तर में बदलाव आता है और यह बदलाव मरीज की मानसिक स्थिति में सुधार लाता है। इसके अलावा इस रोग में मरीजों के परिजनों की काउंसलिंग की भी जरूरत पड़ती है, ताकि वे मरीज की ठीक तरह से देखभाल कर सकें।

क्या होता है?

यह एक प्रकार की मस्तिष्क और याददाश्त से जुड़ी बीमारी है जिसमें व्यक्ति याददाश्त सहित धीरे-धीरे सोचने की शक्ति खोता रहता है। अल्जाइमर के जुड़े कई मामलों में यह देखा गया है कि अल्झाइमर से पीड़ित व्यक्ति आसान काम करने में भी असमर्थ रहता है। आजकल यह युवाओं में भी देखने को मिल रही है।

लक्षण

याद्दाश्त का खोना,कुछ भी सोचने में दिक्कत,किसी सोचे हुए काम को पूरा ना कर पाना,आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होना,सही शब्द लिखने में दिक्कत आना,निर्णय लेने में दिक्कत आना , चीज़े रखकर भूल जाना,लोगों से कम मिलना,काम को आगे टालना,डिप्रेशन,मन में डर रहना

बचावः

वैसे तो (अल्जाइमर) का कोई इलाज नहीं है लेकिन जीवनशैली में कुछ बदलाव करके आप इससे बच सकते है। अल्जाइमर के लक्षण दिखने पर व्यक्ति की तत्काल जाँच करवाए। (अल्जाइमर) की पुष्टि होने पर पीड़ित को पौष्टिक भोजन देने के साथ एक्टिव बनाना चाहिए।

अल्जाइमर बीमारी में क्या होता है?

यह एक न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी है, जो मस्तिष्क कोशिकाओं के लगातार नुकसान के कारण होती है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में हर 3 सेकंड में एक डेमेंशिया का मरीज आता है।

कारणः

यह समस्या मुख्य तौर पर बुजुर्ग लोगों में देखी जाती है। 60 से 85 वर्ग के बुजुर्ग इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। अगर आपके फैमिली हिस्ट्री है तो अल्जाइमर होने का खतरा ज्यादा रहता है। अगर परिवार में किसी को अल्जाइमर है तो उस परिवार के बुजुर्ग व्यक्ति को होने की संभावना ज्यादा होती है।

अल्जाइमर महिलाओं में ज्यादा होता है।

लंबे समय तक स्लीपिंग डिसॉर्डर होने पर यह बीमारी हो सकती है। इसके होने का खतरा ज्यादा रहता है। लाइफस्टाइल में बदलाव होना बहुत जरूरी है। डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और हाइपरटेंशन स्ट्रोक के कारण भी अल्जाइमर हो सकता है। आयुर्वेदिक इलाज, तिल का तेल आयुर्वेद में तिल के तेल का प्रयोग याददाश्त बढ़ाने में उपयोगी है। ...

अश्वगंधा ऐसी जड़ीबूटी है जो रोग को बढने से रोकती है। ...

हल्दी व बादाम , गाजर खाएं .,शंखपुष्पी अदरक वचा शंख पुष्पी ब्राह्मी अश्वगधारिष्ट .सारस्वतारिष्ट ,ब्राह्मी वटी आदि ।

मेडिकल रिप्रिजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

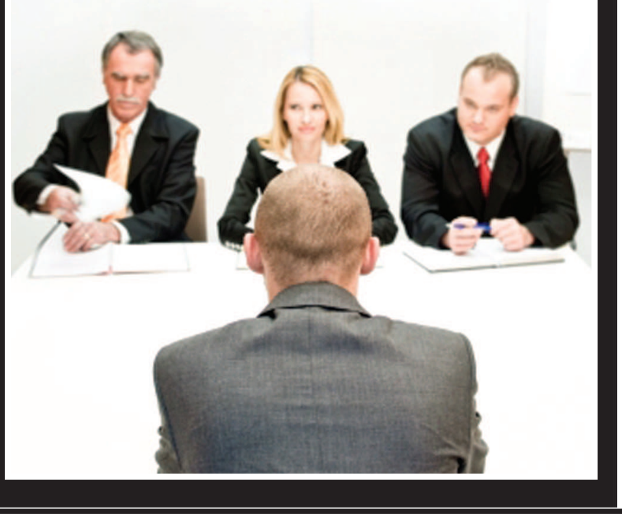

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

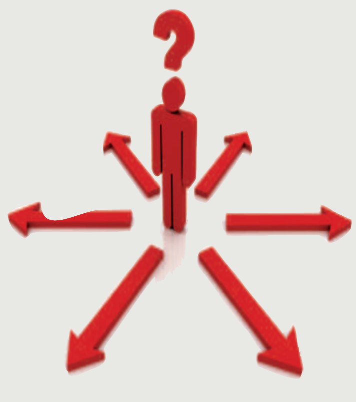

पुनःप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझें।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

सोने में उछाल, चांदी फिसली

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें बढ़ी हैं जबकि चांदी में गिरावट आई है। सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 24 रुपये बढ़कर 49,766 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। वहीं गत दिवस सोना 49,742 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी 222 रुपये टूटकर 57,192 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले सोने और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज की गयी थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में गिरावट आई है और यह 1,669 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी की कीमत सपाट बनी रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 19.27 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

मदर डेयरी को 2022-23 में कारोबार बढ़कर 15,000 करोड़ होने की उम्मीद

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर की शीर्ष डेयरी कंपनी मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड को उम्मीद है कि उत्पादों की बेहतर मांग के कारण चालू वित्त वर्ष में उसका कारोबार 20 प्रतिशत बढ़कर लगभग 15,000 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। मदर डेयरी जो खाद्य तेल और फल तथा सब्जियां भी बेचती है, का कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 12,500 करोड़ रुपए था। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने पिछले सप्ताह ग्रेटर नोएडा में आयोजित आईडीएफ-विश्व डेयरी सम्मेलन के मौके पर बताया था चालू वित्त वर्ष में कारोबार 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ करीब 15,000 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि विभिन्न डेयरी उत्पादों की मात्रा और मूल्यों, दोनों से प्रेरित होगी। बंदलिश ने कहा` कि हम अपने सभी दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की मजबूत मांग देख रहे हैं। गर्मियों के दौरान आइसक्रीम की बिक्री में काफी वृद्धि हुई है।

अल्फा ऑल्टरनेटिव्स ने 130 करोड़ जुटाए

मुंबई । परिसंपत्ति प्रबंधन मंच अल्फा ऑल्टरनेटिव्स ने कुछ समृद्ध लोगों एवं परिवारों के कार्यालयों से 130 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी जुटाई है। फर्म के वरिष्ठ भागीदार ऋषिकेश परंदेकर ने कहा कि इसके साथ ही पिछले दो साल में वह कुल 240 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी जुटा चुकी है।वर्ष 2013 में स्थापित अल्फा ऑल्टरनेटिव्स ने अगस्त, 2020 में संपन्न वित्तपोषण के पहले दौर में 110 करोड़ रुपए जुटाए थे। यह कंपनी फिलहाल करीब 5,500 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर रही है। परंदेकर ने यह भी कहा कि कंपनी जल्द ही रियल एस्टेट कारोबार में कदम रखने की योजना बना रही है।

डीपीआईआईटी मल्टी-मीडिया अभियान के ज रिए बढ़ाएगी जीआई उत्पाद

नई दिल्ली । वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय दार्जिलिंग चाय, चंदेरी कपड़े, मैसूर के रेशम और कश्मीर में अखरोट की लकड़ी पर नक्काशी जैसे 400 से अधिक जीआई (भौगोलिक संकेत) उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक मल्टी-मीडिया अभियान की योजना बना रहा है। विभाग ने एक नोटिस में कहा` कि उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) नियमित रूप से विभिन्न मल्टी-मीडिया अभियानों, विज्ञापन और प्रचार सामग्री के जरिए एक या एक से अधिक ऑडियो-विजुअल एजेंसियों को सूचीबद्ध करने का इरादा रखता है। इस अभियान के जरिए 400 से अधिक जीआई उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा। डीपीआईआईटी जीआई प्रचार अभियान के लिए प्रतिष्ठित ऑडियो-विजुअल एजेंसियों को सूचीबद्ध करने पर विचार कर रहा है। पैनल में शामिल होने वाली एजेंसियों के पास निर्माण, प्रायोजित श्रव्य-दृश्य कार्यक्रम और छोटो वीडियो बनाने का अनुभव होना चाहिए।नोटिस में कहा गया है कि इससे उत्पादकों के लिए रोजगार के मौके बढ़ेंगे और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल अंतराराष्ट्रीय बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के कारण घरेलू बाजार में भारी खरीददारी से आया है। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 578 अंक से अधिक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी घरेलू बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 578.51 अंक करीब 0.98 फीसदी ऊपर आकर 59,719.74 अंक पर बंद हुआ।

वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 194 अंक तकरीबन 1.10 फीसदी बढ़कर 17,816.25 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 297.05 अंक तक उछल गया था। आज कारोबार के दौरान बाजार में ऑटो, मेटल व आईटी समेत सभी क्षेत्रो के शेयरों में तेजी रही।

सबसे अधिक तेजी निफ्टी हेल्थकेयर (3.44 फीसदी) और निफ्टी फार्मा (3.08 फीसदी) में आई। इसके अलावा बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल व रियेल्टी के शेयरों में भी 1-1 फीसदी से ज्यादा की बढ़त आई। वहीं निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल में 2.12 फीसदी का उछाल आया है। निफ्टी पर अपोलो हॉस्पिटल 5.75 फीसदी, सिप्ला 5.52 फीसदी, सन फार्मा 4.17 फीसदी, आयशर मोटर्स 3.61 फीसदी और डॉक्टर रेड्डी 2.88 फीसदी के साथ ही सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं, श्रीराम सीमेंट -0.94 फीसदी, ग्रासिम -0.81 फीसदी, नैस्ले इंडिया -0.76 फीसदी, पावरग्रिड -0.28 फीसदी और कोल इंडिया -0.24 फीसदी सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर रहे।

वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही।

अमेरिकी बाजार भी लाभ में रहे। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड कच्चा तेल 0.49 फीसदी ऊपर आकर 92.45 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपये में तेजी आई है। रुपया सात पैसे उछलकर 79.74 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.70 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 79.58 के दिन के उच्चस्तर तक पहुंच गया था। यह 79.77 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर भी पहुंचा। अंत में रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ ही 79.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले सोमवार को रुपया 79.81 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ ही 109.87 पर पहुंच गया।

महारत्न कंपनी गेल ने 20 सालों में बनाए 1 लाख रुपए के बनाए 92 लाख

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल इंडिया के शेयरों ने पिछले 20 सालों में निवेशकों को 5 बार बोनस शेयर दिए हैं। अगर किसी ने सरकारी कंपनी के शेयरों में 20 साल पहले 1 लाख रुपए लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता आज यह पैसा 90 लाख रुपये से ज्यादा हो गया होता। गेल इंडिया को महारत्न का दर्जा मिला हुआ है। गेल इंडिया के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 115.67 रुपए है। गेल इंडिया के शेयर 13 सितंबर 2002 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में 7.92 रुपये के स्तर पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 13 सितंबर 2002 को गेल इंडिया के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे 12626 शेयर मिलते। महारत्न कंपनी ने तब से लेकर अभी तक अपने निवेशकों को 5 बार बोनस शेयर दिए हैं। अगर 1 लाख रुपए के निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में उस व्यक्ति के पास बोनस शेयर मिलने के बाद कुल 101007 शेयर होते। गेल इंडिया के शेयर सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 91.35 रुपए के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। ऐसे में कुल पैसा 92।26 लाख रुपए होता। गेल इंडिया ने पिछले 20 साल में 5 बार बोनस शेयर दिए हैं। गेल इंडिया ने अक्टूबर 2008 में 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिया था। इसके बाद कंपनी ने मार्च 2017 में 1:3 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। इसके बाद, कंपनी ने मार्च 2018 में 1:3 के रेशियो में निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा दिया। गेल इंडिया ने जुलाई 2019 को 1¬1 के रेशियो में बोनस शेयर दिया। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। सरकारी कंपनी ने हाल में 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिया है।

सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन में चीन का वर्चस्व खत्म होगा, भारत बढ़ाएगा उत्पादन

नई दिल्ली ।

वाहनों में लगने वाली सेमीकंडक्टर चिप के कारोबार में अब चीन का एकाधिकार खत्म होता दिख रहा है। एक तरफ जहां चीन में चिप निर्माण तेजी से घट रहा है, वहीं भारत और अमेरिका अपना घरेलू उत्पादन तेजी से बढ़ा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में कोरोना प्रतिबंधों और डिमांड में कमजोरी की वजह से अगस्त महीने में चिप निर्माण में अब तक की सबसे बड़ी मासिक गिरावट देखने को मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, इंटेग्रेटेड सर्किट (आईसीएस) का उत्पादन साल दर साल 24.7 प्रतिशत घटकर 24.7 अरब यूनिट रह गया, जो 1997 के बाद से एक महीने में सबसे बड़ी गिरावट है। चिप निर्माण में गिरावट का यह लगातार दूसरा महीना भी है। जुलाई में उत्पादन 16.6 प्रतिशत घटकर 27.2 अरब इकाई रह गया था। यानी 25 साल बाद चीन के चिप उत्पादन में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं, दूसरी तरफ भारत और अमेरिका ने अपना घरेलू उत्पादन लगभग दोगुना कर लिया है। अगस्त में माइक्रो कंप्यूटर का स्थानीय उत्पादन 18.6 फीसदी गिरकर 317.5 अरब यूनिट रह गया। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में घरेलू विनिर्माण गतिविधि तीन महीनों में पहली बार सिकुड़ गई हैं। बिजनेस डेटाबेस प्लेटफॉर्म किचाचा के आंकड़ों के मुताबिक रिकॉर्ड 3,470 चिप बनाने वाली कंपनियां साल के पहले आठ महीनों में कारोबार से बाहर हो गईं। चीन में चिप उत्पादन में मंदी आ रही है, क्योंकि भारत और अमेरिका दोनों स्थानीय चिप निर्माण को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 1.54 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखते हुए गुजरात सरकार ने वेदांता और फॉक्सकॉन के साथ साझेदारी की है। भारत के सेमीकंडक्टर कम्पोनेंट मार्केट का 2026 तक कुल रेवेन्यू के मामले में 300 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) और काउंटरपॉइंट रिसर्च के मुताबिक, 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं स्थानीय प्रोडक्शन को तेजी से बढ़ावा देंगी। भारत सरकार ने अपनी पीएलआई योजना के तहत

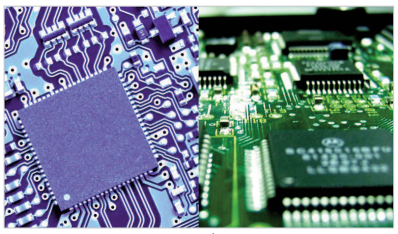

सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम के विकास के लिए अलग से 76,000 करोड़ रुपये (करीब 10 अरब डॉलर) के खर्च की घोषणा की है। वहीं अमेरिका भी चिप प्रोडक्शन में तेजी से काम कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चिप से जुड़े एक नए प्रस्ताव पर साइन किए हैं जो सेमीकंडक्टर उत्पादन प्रोत्साहन के लिए लगभग 52 अरब डॉलर खर्च करने के प्रस्ताव को मंजूरी देता है। इंटेल ने अमेरिका के ओहायो राज्य में 20 अरब डॉलर के नए सेमीकंडक्टर प्लांट पर काम शुरू कर दिया है। सैमसंग ने अगले दो दशकों में अमेरिका में 11 और चिप प्लांट बनाने के लिए करीब 200 अरब डॉलर का निवेश करने का प्रस्ताव रखा है।

मर्सिडीज बेंज ने तैयार की अपनी पहली इलेक्ट्रॉनिक कार

- कार को 30 सितंबर को किया जाएगा लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारत में मर्सिडीज बेंज कंपनी ने अपनी पहली इलेक्ट्रॉनिक कार को तैयार किया है।इस इलेक्ट्रिक कार को कंपनी 30 सितंबर को लॉन्च करने जा रही है।इस कार को ईक्यूएस 580 4 मैटिक के नाम से जाना जाएगा और इसको चाकन प्लांट में तैयार किया गया है जो पुणे के पास स्थित है।अभी गाड़ी की सही कीमत के बारे में कोई जानकारी कंपनी ने नहीं दी है लेकिन ये माना जा रहा है कि कार सुपर लग्जरी सेग्मेंट में होगी और इसकी कीमत भी काफी ज्यादा रहेगी। जानकारी के अनुसार कार का निर्माण मर्सिडीज की डेडिकेटेड इलेक्ट्रिक व्हीकल आर्किटेक्चर पर किया गया है।ये कार एक्सटीरियर और इंटीरियर के लुक्स में काफी कुछ एएमजी ट्विन के समान है।स्पोर्टी लुक के लिए गाड़ी में शार्प एलईडी हैडलैंप को एक यूनिट में ही दिया गया है।साथ ही फ्रंट में इसमें ब्लैक ग्रिल है जो इसके लुक को और ज्यादा एन्हेंस करते हैं।साथ ही फ्रेमलेस डोर, फ्लश डोर हैंडल और 19-इंच के अलॉय व्हील इसको सभी से अलग खड़ा करते हैं.

ईक्यूएस 580 को लेकर कंपनी ने बड़ा दावा किया है।मर्सिडीज के अनुसार कार सिंगल चार्ज पर 750 किमी।से ज्यादा चलेगी। इसकी मोटर की बात की जाए तो ये एक फ्यूल मोटर सेटअप होगा और हर एक्सल पर एक मोटर मिलेगी जो इसको जबर्दस्त पावर देगी।इसमें 107.8 केडब्ल्यूएच लिथियम-ऑयन बैटरी पैक मिलेगा जिससे 523 बीएचपी की पावर और 856 एनएम का टॉर्क जनरेट होगा.इस कार को कंपनी ने पहली बार 2021 में पेश किया था।वहीं कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रिक कार्स की तरफ शिफ्ट होने को लेकर ये मर्सिडीज का मुख्य मॉडल है।मर्सिडीज का पूरा ध्यान अब इंडियन ईवी मार्केट पर है।

कोविड महामारी से विभिन्न देशों के बीच आय में असमानता बढ़ी: एलन जोप

नई दिल्ली । कोविड-19 महामारी ने देशों के भीतर और देशों के बीच आय असमानता को बढ़ा दिया है। एफएमसीजी कंपनी यूनिलीवर के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन जोप ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस मद्दे को हल करने के लिए कंपनियों को भी अपनी भूमिका निभाने की जरूरत है, क्योंकि कोई भी व्यवसाय खंडित और टूटे समाज में नहीं पनप सकता है। उन्होंने यहां 'फिक्की लीड्स-2022' कार्यक्रम के लिए जारी एक वीडियो संदेश में कहा पिछले 25 वर्षों में देशों के बीच आय असमानता में काफी सुधार हुआ है। मुख्य रूप से एशिया में करोड़ों परिवार गरीबी से बाहर निकले हैं। हालांकि, दुनिया के सबसे अमीर और सबसे गरीब देशों के बीच खाई अस्वीकार्य रूप से बहुत चौड़ी है। जोप ने कहा और अधिक चिंताजनक वास्तविकता यह है कि देशों के भीतर आय असमानता की स्थिति बदतर हो गई है। दुनिया की लगभग तीन-चौथाई आबादी अब उन देशों में रहती है, जहां हाल के वर्षों में आय असमानता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आईएमएफ के अनुसार, कोविड-19 के चलते 12 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में चले गए हैं। जोप ने जोर देकर कहा मुद्रास्फीति के असाधारण स्तर को हम अब अनुभव कर रहे हैं, और इससे देशों के भीतर तथा देशों के बीच में आर्थिक असमानता बढ़ेगी। हम आलस्य से खड़े नहीं रह सकते। व्यापार उन समाजों में नहीं पनप सकता, जो खंडित और टूटे हुए हैं।

नई ब्रेजा ने टाटा नेक्सॉन की बादशाहत की खत्म

-लांच होते ही छा गई 8 लाख रुपये से सस्ती मारुति की एसयूवी

नई दिल्ली ।

नई मारुति सुजुकी ब्रेजा और 2022 ह्यूंदै वेन्यू ने इस साल नए अवतार में मार्केट में एंट्री की। टाटा नेक्सॉन जुलाई 2022 तक लगातार 8 महीने भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी रही। अगस्त 2022 में यह सूरत बदल गई और नई ब्रेजा ने टाटा नेक्सॉन की बादशाहत खत्म कर बेस्ट सेलिंग एसयूवी का खिताब अपने नाम कर किया। दूसरे नंबर पर टाटा नेक्सॉन रही।इसके बाद ह्यूंदै वेन्यू फेसलिफ्ट, किआ सॉनेट और महिंद्रा एक्सयूवी300 जैसी कारों ने टॉप 10 में जगह बनाई.अगस्त 2022 एसयूवी सेल्स रिपोर्ट देखें तो पहले नंबर पर रही मारुति सुजुकी ब्रेजा की कुल 15193 यूनिट बिकी और यह इंडिया की नंबर एसयूवी बन गई।इसके बाद दूसरे नंबर पर टाटा नेक्सॉन रही, जिसकी कुल 15085 यूनिट बिकी और तीसरे नंबर पर जगह बनाई ह्यूंदै वेन्यू ने, जिसकी कुल 11240 यूनिट सेल हुई।चौथी बेस्ट सेलिंग एसयूवी किआ सॉनेट रही और

इस कार की टोटल 7838 यूनिट बिकी।5वीं बेस्ट सेलिंग एसयूवी महिंद्रा एक्सयूवी300 रही और इसकी टोटल 4322 यूनिट बिकी। रेनो काइगर आठवें स्थान पर जगह बनाने में कामयाब रही और इस कार की 2641 यूनिट बीते अगस्त में बिकी है।भारत में बिकने वाली टॉप 10 कॉम्पैक्ट एसयूवी की बात करें तो निसान मैग्नाइट बीते महीने पांचवें नंबर पर जगह बनाने में कामयाब रही।इस कार की कुल 3194 यूनिट सेल हुई हैं।इसके बाद टोयोटा अर्बन क्रूजर एसयूवी रही और इस कार की कुल 3131 यूनिट बिकी।

एस्सार ग्रुप सऊदी अरब में इस्पात संयंत्र पर करेगा चार अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली :

एस्सार ग्रुप अगले तीन साल में सऊदी अरब में चार अरब डॉलर के निवेश से एक एकीकृत फ्लैट स्टीलवर्क्स संयंत्र लगाने जा रहा है। एस्सार ग्रुप में कॉरपोरेट योजना के महाप्रबंधक अमर कपाड़िया ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस साल के अंत तक इस संयंत्र की आधारशिला रखे जाने की संभावना है और 2025 के अंत तक इसका निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। सालाना 40 लाख टन उत्पादन की क्षमता रखने वाले इस संयंत्र को सऊदी अरब के पूर्वी तट पर स्थित रास अल-खैर औद्योगिक शहर में स्थापित किया जाएगा। इस पर करीब चार अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। एस्सार ग्रुप ने इस संयंत्र की स्थापना के संबंध में सऊदी अरब के राष्ट्रीय औद्योगिक विकास केंद्र के साथ अक्टूबर, 2021 में समझौता ज्ञापन किया था। इसके अलावा दिसंबर, 2021 में संयंत्र के भूमि आवंटन का समझौता हुआ था।

यात्रियों को 50 लाख फ्री सीट दे रही ये एयरलाइन कंपनी, ऑफर 25 सितंबर तक लागू

बिजनेस डेस्क :

एयर लाइन सेक्टर में फिर से एयर एशिया अपनी वापसी का बड़ा जश्न मना रही है। इसी कड़ी में कंपनी ने 50 लाख मुफ्त हवाई टिकट ऑफर कर रही है, हालांकि कुछ शर्तों के साथ। कंपनी ने इस बात की जानकारी अपनी वेबसाइट पर भी शेयर की है। फ्री टिकट वाला ये ऑफर कल यानी 19 सितंबर से शुरू हो चुका है और 25 सितंबर तक जारी रहेगा। एयर एशिया के 50 लाख मुफ्त सीट सेल ऑफर का लाभ वेबसाइट और ऐप दोनों पर मिल रहा है। इस ऑफर का फायदा उठाने के लिए आप फ्लाइट्स आइकन पर क्लिक करके टिकट बुक करा सकते हैं। इस ऑफर के तहत टिकट बुक कराने वाले पैसेंजर्स को 1 जनवरी 2023 से 28 अक्टूबर 2023 के बीच सफर करना होगा। ये ऑफर ज्यादातर एशियाई देशों की यात्रा पर है। हालांकि इसमें कुछ डोमेस्टिक डेस्टिनेशन भी शामिल हैं। इन डेस्टिनेशन में बैंकॉक से कराबी और फुकेत के लिए डायरेक्ट फ्लाइट्स बैंकॉक (डॉन मुएंग) से चियांग माई, सकोन के लिए सीधी उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा नकोर्न, नकोर्न श्रीथमरत, फुकेत, न्हा ट्रांग, लुआंग प्राबांग, मांडले, नोम पेन्ह, पिनांग और कई अन्य रूट्स के लिए भी फ्लाइट्स मिल रही हैं। एयर एशिया के ग्रुप चीफ कमर्शियल ऑफिसर कैरन चैन कहा कि हम अपने भरोसेमंद यात्रियों का धन्यवाद करना चाहते हैं, जिन्होंने अब तक के सबसे बड़े फ्री सीट्स ऑफर के लिए हमारा साथ दिया। उन्होंने बताया कि हमने अपने बहुत से पसंदीदा रूट्स पर सेवाएं फिर से शुरू की हैं और आने वाले समय में रोमांचक डेस्टिनेशन के लिए भी फ्लाइट्स शुरू करेंगे। कैरन चैन ने कहा कि इस एक्स्ट्रा स्पेशल सेल को हमने अपने 21वें बर्थडे को सेलिब्रेट करने के लिए शुरू किया है और हम चाहते हैं कि इसका फायदा हमारे सभी ग्राहकों को मिले।

कंपनियों को लंबे समय तक, उच्च मुद्रास्फीति के लिए तैयार रहने की जरूरत: एचयूएल सीईओ

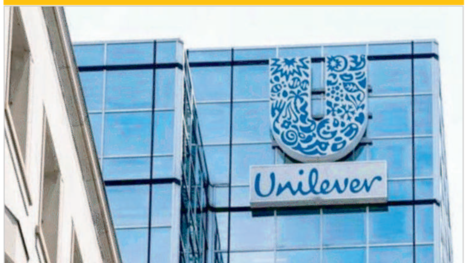

नई दिल्ली :

कंपनियों को लंबे समय तक या उच्च मुद्रास्फीति के लिए तैयार रहने की जरूरत है। इसके अलावा अगले 2-3 वर्षों तक जिंस कीमतों में अपस्फीति की स्थिति भी रह सकती है। हिंदुस्तान यूनिलीवर के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक संजीव मेहता ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने यहां 'फिक्की लीड्स 2022' कार्यक्रम में कहा कि अभूतपूर्व मुद्रास्फीति के पीछे घरेलू कारण नहीं हैं, बल्कि यह स्थिति कई वैश्विक कारकों के चलते बनी है। इनमें महामारी और यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान शामिल है। निकट भविष्य में मुद्रास्फीति में कमी आने की संभावना के बारे में पूछने पर मेहता ने कहा, 'यह भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है, लेकिन मुझे लगता है कि हमें आज दुनिया में तीन संभावित परिदृश्यों के लिए तैयार रहना होगा।' उन्होंने कहा कि एक संभावना है, 'मौजूदा ऊंचे आधार से मुद्रास्फीति या मामूली अपस्फीति जारी रहेगी। दूसरी संभावना यह है कि मुद्रास्फीति और भी ऊपर जा सकती है और तीसरी यह कि जिंस कीमतों में गिरावट हो सकती है।' मेहता ने कहा कि यह परिदृश्य अगले दो-तीन वर्षों के लिए रह सकता है और एक व्यवसाय के रूप में हमें तीन परिदृश्यों के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि इस बार मुद्रास्फीति में एक बड़ा अंतर यह है कि पहले महंगाई एक या दो वस्तुओं में रहती थी लेकिन इस बार यह कई वस्तुओं में है। यही वजह है कि यह एक बड़ा वैश्विक मुद्दा बन गया है।

फरवरी में न्यूजीलैंड दौरे पर एंडरसन और ब्रॉड निभा सकते हैं दोहरी भूमिका

नई दिल्ली । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड को फरवरी में न्यूजीलैंड के दो टेस्ट मैचों के दौरे पर अब तेज गेंदबाज के साथ ही कोच की भूमिका में भी देखा जा सकता है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड को खिलाड़ी के साथ ही कोच की भूमिका भी दे सकती है। एंडरसन और ब्रॉड इंग्लैंड के सबसे अनुभवी गेंदबाज होने के साथ ही सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार कोच मैक्कुलम लंबी अवधि के अनुभवी गेंदबाजों की विशेषज्ञता का उपयोग निवर्तमान कोच जॉन लुईस को स्थायी रूप से बदलने के लिए करना चाहते हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया, मैक्कुलम को टेस्ट के माहौल में सहयोगी स्टाफ को सुव्यवस्थित करने के लिए जाना जाता है। लुईस के काम पर लौटने के बाद एंडरसन और ब्रॉड की जोड़ी को अपने उत्तराधिकारी के तौर पर तैयार कर सकते हैं। इस जोड़ी ने कुल मिलाकर 997 टेस्ट विकेट लिए हैं। ब्रॉड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुए ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्लेन मैक्ग्रा के 563 टेस्ट विकेटों के रिकार्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। वह वर्तमान में 566 विकेट पर हैं। वह अब अपने साथी जेम्स एंडरसन को तेज गेंदबाजों के लिए विकेटों के मामले में पीछे छोड़ना चाहते हैं। एंडरसन के नाम 667 विकेट हैं।

इंग्लैंड में 23 साल बाद श्रृंखला जीतने के लिए उतरेगी भारतीय महिला टीम

कैंटबरी :

पहले मैच में शानदार जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर ब्रिटिश धरती पर 23 साल बाद पहली श्रृंखला जीतने का प्रयास करेगी। टी20 श्रृंखला में 1-2 से हार झेलने के बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शानदार वापसी करके होव में रविवार को खेले गए पहले वनडे में सात विकेट से बड़ी जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड को अपनी कुछ सीनियर खिलाड़ियों की कमी खल रही है लेकिन पहले मैच में भारत हर विभाग में उससे बेहतर नजर आया और वह अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगा। भारत ने 1999 में वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत दर्ज की थी। तब अंजुम चोपड़ा ने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था। यह झूलन गोस्वामी की विदाई श्रृंखला भी है। भारत को इसके बाद जून 2023 तक कोई वनडे मैच नहीं खेलना है। झूलन के नाम पर सर्वाधिक विकेट लेने का विश्व रिकार्ड है और उन्होंने पहले मैच में 10 ओवर में 20 रन देकर एक विकेट लिया था। पहले मैच में भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना ने 99 गेंदों में 91 रन की शानदार पारी खेली, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने भी अर्धशतक लगाया। कप्तान हरमनप्रीत ने नाबाद 74 रन बनाकर जीत में अहम भूमिका निभाई थी। भारतीय कप्तान मध्यक्रम के बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन के अलावा सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा से भी बड़ी पारी की उम्मीद कर रही होगी जिन्होंने 10 से अधिक पारियों से कोई अर्धशतक नहीं जमाया है। दूसरी तरफ इंग्लैंड को अपने बल्लेबाजों से बड़ी पारियों की उम्मीद रहेगी। वह सोफिया डंकले पर काफी निर्भर है जिन्होंने टी20 श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था।

टीम इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, सबिनेनी मेघना, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़, हरलीन देओल, दयालन हेमलता, सिमरन दिल बहादुर , झूलन गोस्वामी, तानिया भाटिया और जेमिमा रोड्रिग्स।

इंग्लैंड : एमी जोन्स (कप्तान और विकेटकीपर), टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, केट क्रॉस, फ्रेया डेविस, एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, फ्रेया केम्प, इस्सी वोंग और डैनी वाइट।

समय : मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बाद 3.30 बजे से शुरू होगा।

सिर में लगी चोट और बहा खून, बजरंग पूनिया ने विश्व चैंपियनशिप में जीता रिकॉर्ड चौथा मेडल

नई दिल्ली।

पहलवान बजरंग पूनिया ने रविवार को सर्बिया के बेलग्रेड में आयोजित विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। यह पदक जीतना पूनिया के लिए आसान नहीं था क्योंकि इस दौरान उनके सिर में चोट लगी हुई थी जो उन्हें प्री-क्वार्टर में लगी थी। इस दौरान मैच को रोकना भी पड़ा था और उन्होंने सिर पर पट्टी बांधकर उक्त मैच को पूरा किया था। बजरंग ने वाल्देस को 5-4 के करीबी मुकाबले में हराकर मैच को अपने नाम किया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सिर पर लगी चोट के कारण वह क्वार्टर फाइनल में अमरीका के यिआनी दियाकोमिहालिस के खिलाफ 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) के आधार पर शिकस्त का सामना करना पड़ा। यिआनी के फाइनल में पहुंचने पर बजरंग को पदक जीतने का मौका मिला और रेपचेज में उनका सामना रिवेरा से हुआ। मैच के शुरुआत में पुनिया 0-6 से पीछे थे लेकिन उन्होंने मैच में वापसी की और रिवेरा को मुकाबले में 11-9 से हारकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पूनिया का यह चौथा पदक है और यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह भारत के एकमात्र पहलवान हैं। इससे पहले उन्होंने 2013 में ब्रॉन्ज, 2018 में सिल्वर और 2019 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

असफलताओं को पीछे छोड़कर नेशनल गेम्स में चमकना चाहती हैं मणिका बत्रा

सूरत ।

भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी मणिका बत्रा अपनी हालिया असफलताओं को पीछे छोड़ना चाहती हैं और उन्होंने मंगलवार को टीम इवेंट्स से शुरू हो रहे 26वें राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी करना दृढ़ संकल्प लिया है।

उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, "मैं नेशनल गेम्स में प्रतिस्पर्धा करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है।"

साल 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए चार पदक जीतकर चर्चित हुईं मणिका बर्मिंघम में 2022 के संस्करण से खाली हाथ लौटीं। उन्होंने कहा, "मैंने अपने कोच के साथ मिलकर अपनी कमियों पर काम किया है और मैं अब अच्छी तरह से तैयार हूं।"

2015 के राष्ट्रीय खेलों में नेहा अग्रवाल के साथ महिला युगल का स्वर्ण पदक जीत चुकी मणिका बत्रा ने स्वीकार किया कि वह बर्मिंघम में अपने प्रदर्शन से काफी निराश थी।

उन्होंने कहा, "हां, मैं बहुत निराश थी। हालांकि यह अंत नहीं है और मैं अपने खेल पर काम करती रहूंगी। बस, केवल धैर्य रखने की जरूरत है। मैंने अपने कोच के साथ अपनी फिटनेस और खेल पर काम किया है। मुझे लगता है कि मैं अब तैयार हूं।"

मणिका बत्रा गुरुवार को मैदान पर उतरेंगी, जब व्यक्तिगत स्पर्धाएं शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि वह इस समय अच्छे स्थान पर थीं। बकौल मणिका, "मैं मानसिक और शारीरिक तौर पर अच्छी तरह से तैयार हूं। मैं अपने सभी मुकाबलों में 100 फिसदी दूंगी।"

टेबल टेनिस स्टार ने यह इंगित करते हुए कहा कि वह राष्ट्रीय खेलों में युवा खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की चुनौती की प्रतीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा, "यहां कई युवा खिलाड़ी शिरकत करने वाली हैं और जब मैं उनको खेलते हुए देखती हूं, तो प्रेरित हो जाती हूं।"

27वर्षीया मनिका ने कहा कि वह अपने पिम्पल्ड रैकेट के साथ खेलना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, "मैं अपना पिम्पल्ड बैट नहीं छोड़ूंगी, क्योंकि मुझे इसके साथ खेलने की आदत है। मुझे लगता है कि यही मेरा खेल है और मैं इससे प्यार करती हूं।"

उन्होंने कहा, "जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। मैंने अपनी गलतियों पर काम किया है और मैं वर्ल्ड चैम्पियनशिप और अगले साल एशियन गेम्स के लिए तैयार हो रही हूं।"

भारतीय टेबल टेनिस स्वर्णिम काल का लुत्फ उठा रही है: साथियान

सूरत, 20 सितंबर- भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी जी. साथियान को लगता है कि देश टेबल टेनिस में स्वर्णिम काल का आनंद ले रहा है और उनका मानना है कि यहां से चीजें और बेहतर होंगी।

उन्होंने मंगलवार को यहां 36वें राष्ट्रीय खेलों के पहले दिन हुए संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, "मुझे लगता है कि यह भारतीय टेबल टेनिस का स्वर्ण युग है। हम पुरुष, महिला, जूनियर, सब-जूनियर और यहां तक कि कैडेट, हर वर्ग में पदक जीत रहे हैं। यह आश्चर्यजनक है। भारत अब वर्ल्ड टेबल टेनिस में एक बड़ी ताकत है।"

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर शरथ कमल और मणिका बत्रा के साथ पदक जीतने की शुरुआत करने वाले 29 वर्षीय इस स्टार को खिलाड़ियों की अगली पंक्ति में बहुत क्षमता और भरोसा दिखाई देता है।

साथियान ने कहा, "पिछले सात सालों में टेबल टेनिस एक बिल्कुल नए खेल में बदल गया है। यह शायद देश भर में सबसे बेहतर खेलों में से एक है।"

साथियान ने टेबल टेनिस को बेहतर बनाने में राष्ट्रीय खेलों की भूमिका पर बोलते हुए कहा, "2015 में नेशनल गेम्स ने मुझे यह जानने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान किया कि मैं कहां खड़ा हूं। जब आप एक बहु-स्पर्धी प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो यह एक बहुत ही अलग तरह का खेल होता है। आप बहुत कुछ सीखते हैं और यह कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स और ओलम्पिक जैसे बड़े आयोजनों में हमारी मदद करते हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "युवाओं के लिए यह उनके कौशल का परीक्षण करने और दबाव में खुद को परखने का एक बेहतरीन मंच है।"

यह संयोग है कि केरल में हुए गेम्स के पिछले संस्करण में साथियान तमिलनाडु की उस पुरुष टीम का हिस्सा थे जिसने स्वर्ण पदक जीता था। इस साल, तमिलनाडु ने आठ टीमों की स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं किया है और वह इस बात से सहमत हैं कि मेजबान गुजरात के खिलाफ संभावित एक संभावित कड़े संघर्ष के रोमांच से यह खेल चूक गया है।

हालांकि, विश्व रैंकिंग में 37वें नंबर का यह खिलाड़ी चेंगदू में होने वाली वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए जाने से पहले व्यक्तिगत स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता है।

उन्होंने वादा किया, "यहां आसान नहीं होने वाला है क्योंकि मैं सीधे सिंगल्स खेल रहा हूं। लेकिन मेरे पास परिस्थितियों के अभ्यस्त होने के लिए दो दिन का समय है। मैं थोड़ा अभ्यास करूंगा और इन खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा।"

उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि मैं वास्तव में एक अच्छा टूर्नामेंट कर सकता हूं, कुछ गुजराती व्यंजन का स्वाद ले सकता हूं और यहां आनंद ले सकता हूं।"

संक्षिप्त समाचार

हीरो कल्चर पर गौतम गंभीर के तीखे बोल, कहा- 'धोनी-कोहली' को पूजना बंद करें

(एजेंसी): पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर ने हीरो कल्चर पर सवाल खड़े करते तीखे शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा कि फैन्स को किसी विशेष खिलाड़ी को नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट को पूजना चाहिए, वरना यह क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं होगा। गंभीर ने कहा कि हमें कपिल देव, विराट कोहली या फिर एमएस धोनी जैसे खिलाड़ियों की बात छोड़कर सिर्फ टीम पर बात करनी चाहिए। हमें किसी एक खिलाड़ी को बड़ा बनाने की जगह पूरी टीम को बड़ा बनाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने एशिया कप में अफगानिस्तान के मैच का हवाला देते हुए कहा कि कोहली ने बेशक अच्छी पारी खेली और शतक लगाया, लेकिन तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 5 विकेट लिए लेकिन उस पर किसी ने बात नहीं की। मैं उस दौरान कमेंट्री के दौरान लगातार भुवी के बारे में बात कर रहा था। गंभीर ने कहा कि हमें किसी एक खास खिलाड़ी को हीरो बनाने की संस्कृति से ऊपर उठना होगा। उन्होंने कहा, इसकी शुरुआत साल 1983 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद से हुई। इसके बाद सिर्फ कपिल देव की बात होती थी और फिर साल 2007 और 2011 वर्ल्ड कप के बाद कपिल की जगह धोनी ने ली और फिर विराट कोहली हीरो बन गए। भारतीय क्रिकेट सिर्फ एक या दो खिलाड़ियों से नहीं चलता है, टीम में 15 लोग होते हैं सबका योगदान होता है। हमें किसी एक को हीरो बनाने के बजाए सबकी बातें करनी चाहिए क्योंकि सब टीम के लिए हीरो हैं।

न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के लिए घोषित की टीम

क्राइस्टचर्च । केन विलियमसन की कप्तानी में न्यूजीलैंड टीम अगले माह अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में उतरेंगी। विश्वकप के लिए घोषित न्यूजीलैंड टीम में तीन बदलाव करते हुए काइल जैमीसन, टॉड एस्टल व टिम सीफर्ट की जगह पर लॉकी फर्ग्यूसन, माइकल ब्रेसवेल और फिन एलन को शामिल किया है। इसके अलावा दो खिलाड़ियों ट्रेंट बोल्ट और जिमी नीशम को भी टीम में जगह मिली है। इन दोनो ने हाल ही में न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के केंद्रीय अनुबंध को ठुकरा दिया था। टीम की कप्तानी एक बार फिर से दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन को मिली है। विलियमसन तीसरी बार टी20 विश्व कप टीम की कप्तानी संभालेंगे। न्यूजीलैंड के पास बोल्ट, फर्ग्यूसन, टिम साउदी और एडम मिल्ने जैसे तेज गेंदबाज हैं। वहीं ईश सोढ़ी और जॉन ब्रेसवेल और मिशेल सेंटनर गेंदबाजी में उनकी सहायता करेंगे। ब्रेसवेल ने साल 2022 में न्यूजीलैंड में पदार्पण किया और देखते ही देखते दल में अहम बन गए। वहीं ग्लेन फिलिप्स, डेरिल मिशेल, सेंटनर, ब्रेसवेल और नीशम टीम को बल्ले और गेंद दोनों से योगदान करने की क्षमता के कारण रखा गया है। डेवोन कॉनवे भी इस टीम का हिस्सा हैं। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी है।

नेशनल गेम्स टेबल टेनिस: महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल दो-दो राउंड जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचे

सूरत ।

शीर्ष वरीयता प्राप्त महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल ने मंगलवार को अपने शुरुआती दो राउंड के मुकाबले जीतकर 36वें राष्ट्रीय खेलों की महिला टीम टेबल टेनिस स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दिया चिताले ने शुरुआती मुकाबले में गुजरात की फ्रेंनाज चिपिया को 11-9, 11-6, 12-10 से हारकर महाराष्ट्र के अभियान की जोरदार शुरुआत की। फिर स्वास्तिका घोष और रीथ ऋष्या टेनिसन ने कृत्विका सिन्हा रॉय और फिल्जाहफतेमा कादरी को पछाड़ाकर अपने राउंड 1 को एक बड़ी मुस्कान के साथ समाप्त किया।

दूसरे राउंड में दिया, स्वास्तिका और रीथ ऋष्या की तिकड़ी फिर से तेलंगाना के खिलाफ विजय होकर ग्रुप ए में शीर्ष पर आ गई। महाराष्ट्र की यह तिकड़ी बाद में रात को हरियाणा का सामना करेगी। ग्रुप बी में सुतिर्था मुखर्जी की दो जीत के दमपर पश्चिम बंगाल ने तमिलनाडु को हराकर पहली बाधा पार की।

अहिका मुखर्जी ने एक अन्य मैच में जीत दर्ज की लेकिन इसी बीच प्राप्ति सेन हार गईं, जिससे पश्चिम बंगाल के खेमें में हल्की सी खतरे की घंटी बज गई।

राउंड 2 में भी पश्चिम बंगाल को कर्नाटक पर 3-2 से काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सुतिर्था ने अपना पहला मैच जीता, लेकिन दूसरे में उन्हें अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। अहिका जीतने में कामयाब हुईं लेकिन मौमा दास की हार से स्कोर 2-2 से बराबर हो गया। हालांकि अखिया ने खुशी वी. को हराने के लिए एक बहादुरी भरा और शांत प्रदर्शन करके काम पूरा किया।

पुरुषों की स्पर्धा में मेजबान और दावेदार गुजरात ने ग्रुप में जीत से शुरुआत की। उसने हरियाणा को 3-0 से पराजित किया। दर्शकों की हौंसलाफजाई से उत्साहित स्थानीय खिलाड़ी हरमीत देसाई ने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया।

कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण (टीम) पदक विजेता को अनुभवी सौम्यजीत घोष के रूप में एक मुश्किल प्रतिद्वंद्वी का सामना करना पड़ा और मुकाबले को अपनी तरफ करने के लिए संपूर्ण आक्रामक खेल खेलना पड़ा।

मानव ठक्कर और मानुष शाह ने क्रमश- वेस्ली डो रोसेरियो और जुबिना कुमार को मात देकर गुजरात के पक्ष में स्कोर 3-0 कर दिया।

सचिन तेंदुलकर ने मध्यप्रदेश क्रिकेट संगठन के मुख्य क्यूरेटर को दिया खास तोहफा

इंदौर ।

मध्यप्रदेश क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) के मुख्य क्यूरेटर समंदर सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने उन्हें इंदौर में खास तोहफे के तौर पर अपने ऑटोग्राफ वाली टी- शर्ट और जूते दिए हैं। चौहान के मुताबिक तेंदुलकर ने उन्हें यह तोहफा उस गेंद के बदले दिया जिससे ''मास्टर ब्लास्टर'' ने 12 साल पहले ग्वालियर में अंतरराष्ट्रीय वनडे इतिहास का पहला दोहरा शतक जड़ा था। गौरतलब है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज टूर्नामेंट के टी-20 मुकाबलों के सिलसिले में तेंदुलकर पिछले चार दिन से इंदौर में थे। फटाफट क्रिकेट के प्रारूप वाली इस स्पर्धा में पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों से सजी अलग-अलग देशों की टीमों के बीच मुकाबले हो रहे हैं और इसमें तेंदुलकर इंडिया लीजेंड्स टीम की अगुवाई कर रहे हैं। चौहान ने बताया कि इंडिया लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स के बीच आयोजित मैच सोमवार रात बारिश से धुलने के बाद तेंदुलकर ने उन्हें अपनी टीम के ड्रेसिंग रूम में बुलाया और खास तोहफे के रूप में जूते व अपने ऑटोग्राफ वाली टी-शर्ट दी। बहरहाल, तेंदुलकर के इस तोहफे से एक दिलचस्प वाकया जुड़ा है। एमपीसीए के मुख्य क्यूरेटर ने बताया कि तेंदुलकर जब अभ्यास के लिए रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम पहुंचे, तो वह ग्वालियर में वर्ष 2010 में उनके द्वारा लगाए गए दोहरे शतक के कीर्तिमान से जुड़ी गेंद लेकर 'मास्टर ब्लास्टर' के पास पहुंचे थे और उनसे इस गेंद पर ऑटोग्राफ देने की गुजारिश की थी। चौहान ने बताया, 'यह गेंद देखते ही प्रफुल्लित तेंदुलकर ने मुझसे पूछा था कि क्या मैं इसे उन्हें तोहफे में दे सकता हूं? मैं तुरंत सहमत हो गया क्योंकि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात थी।' उन्होंने बताया कि ग्वालियर में 12 साल पहले भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया एक दिवसीय मैच खत्म होने के बाद उन्होंने तेंदुलकर के दोहरे शतक के कीर्तिमान से जुड़ी गेंद को यादगार के तौर पर सहेज कर रख लिया था। विकेट तैयार करने में चार दशक से ज्यादा का अनुभव रखने वाले क्यूरेटर ने बताया कि ग्वालियर के कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम के जिस पिच पर तेंदुलकर ने यह कीर्तिमान बनाया,

उसे उन्होंने ही तैयार किया था। ग्वालियर में 24 फरवरी 2010 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक दिवसीय मुकाबले में तेंदुलकर ने 147 गेंदों पर 25 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 200 रन की नाबाद पारी खेली थी।

रोड सेफ्टी विश्व सीरीज में सचिन का खूबसूरत शॉट सोशल मीडिया पर छाया

इंदौर ।

यहां बारिश के कारण इंडिया लीजेंड्स और न्यूजीलैंड लीजेंड्स के बीच खेला गया मुकाबला नहीं हो पाया हालांकि इस दौरान स्टेडियम में उपस्थित सभी लोगों को महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का खूबसूरत शॉट देखने को मिला। इस शॉट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कोई इसे 'क्लास' बता रहा है, तो परफेक्शन कह रहा है। इस वीडियो में सचिन बैकफुट पर जाकर ऑफ साइड में चौका लगाते हुए दिखे। इतना ही नहीं, शॉट की टाइमिंग भी इतनी शानदार रहती है कि विरोधी खिलाड़ी के पास गेंद को पकड़ने का अवसर ही नहीं होता। इस वीडियो को साझा करते हुए एक ट्विटर यूजर ने जमकर प्रशंसा करते हुए क्लास शॉट बताया इस मैच में न्यूजीलैंड लीजेंड्स ने भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत की ओर से सचिन तेंदुलकर और नमन ओझा ने पारी शुरु की। सचिन ने चौके की सहायता से 19 रन बनाये जबकि सुरेश रैना 1 छक्के की बदौलत 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इंडिया लीजेंड्स का एकमात्र विकेट नमन ओझा का गिरा। उन्हें शेन बॉन्ड ने रॉस टेलर के हाथों कैच आउट कराया। ओझा ने आउट होने से पहले 15 गेंदों में 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 18 रन बनाये। देश और विश्व भर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

अगले 25 सालों के लिए देश के शहरी विकास का रोडमैप बनाने में महापौरों की भूमिका अहम : मोदी

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गांधीनगर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय भाजपा शासित महापौर सम्मेलन का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा आजादी के अमृत काल में अगले 25 वर्ष के लिए भारत के शहरी विकास का एक रोडमैप बनाने में इस मेयर सम्मेलन की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि हमारे नागरिकों ने शहरों के विकास को लेकर भाजपा पर विश्वास जताया है और उसे निरंतर बनाए रखना, उसे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है। गुजरात में भाजपा के महापौरों और उप महापौरों की परिषद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय

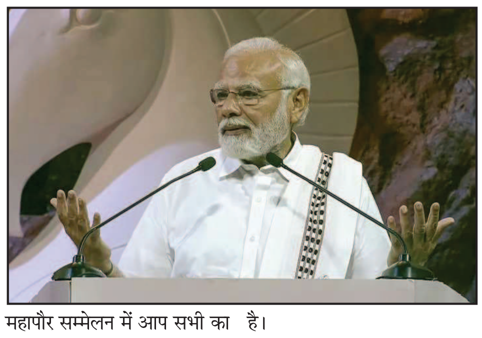

महापौर सम्मेलन में आप सभी का स्वागत और अभिनंदन है। सामान्य नागरिक का संबंध अगर सरकार नाम की किसी व्यवस्था से आता है तो पंचायत से आता है, नगर पंचायत से आता है, नगरपालिका से आता है, महानगर पालिका से आता है। इसलिए इस प्रकार के विचार-विमर्श का महत्व बढ़ जाता है।

पीएम मोदी ने कहा साथियों, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। ये जो वैचारिक परिपार्टी भाजपा ने अपनाई है, यही हमारा मॉडल दूसरों से अलग करता है।

उन्होंने कहा कि 2014 तक हमारे देश में मेट्रो नेटवर्क 250 किमी से भी कम था। आज देश में मेट्रो नेटवर्क 775 किलोमीटर से भी ज्यादा हो चुका है। पीएम मोदी ने मेयर्स से अपील करते हुए कहा कि साथियों, शहरों में रोजी-रोटी के लिए लोग अस्थायी रूप में आते हैं उनको उचित किराए पर घर मिले, इसके लिए बड़े स्तर पर काम चल रहा है। मेरा आप सभी से आग्रह है कि अपने-अपने शहरों में इस अभियान को गति दें। कार्यों को तेजी से पूरे कराएं और गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं करें।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा के मेयर के रूप में, शहरों के मुखिया के रूप में रियल स्टेट सेक्टर को बेहतर और पारदर्शी बनाने का आपका दायित्व ज्यादा है। नियमों का पालन करना, उसे सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। चुने हुए जनप्रतिनिधियों की सोच, सिर्फ चुनाव को ध्यान में रखते हुए सीमित नहीं होनी चाहिए। चुनाव केंद्रित सोच से हम शहर का भला नहीं कर सकते हैं। मेरा शहर आर्थिक रूप से समृद्ध हो। मेरा शहर किसी न किसी उत्पाद के लिए जाना जाए। मेरा शहर टूरिज्म के लिए आकर्षण का केंद्र बने। मेरा शहर उसकी पहचान बने। इस सोच के साथ काम करना चाहिए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा भी शामिल हुए। दो दिवसीय सम्मेलन में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस और केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी हिस्सा लेंगे।

पंजाब की तरह गुजरात में भी सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी - केजरीवाल

वडोदरा। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने वादा किया है कि अगर गुजरात में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो पंजाब की तरह यहां भी सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आप शासित राज्य पंजाब में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू करने पर विचार करने के लिए एक आदेश जारी किया है।

केजरीवाल ने पत्रकारों से कहा, ' गुजरात में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी सड़कों पर है। उनकी मुख्य मांग पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की है। मैं उन्हें गारंटी देता हूं कि जब आम आदमी पार्टी सरकार बनाएगी तो हम गुजरात में ओपीएस लागू करेंगे।' विधानसभा चुनाव से पहले समाज के विभिन्न तबकों से संपर्क करने के अभियान के तहत केजरीवाल एक बैठक को संबोधित करने के लिए वडोदरा में हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, 'पंजाब की तरह, हम गुजरात में भी ओपीएस लागू करेंगे।' केजरीवाल ने राज्य सरकार के प्रदर्शनकारी कर्मचारियों से अपना आंदोलन जारी रखने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी सरकार ओपीएस लागू करती है तो ठीक है और अगर नहीं, तो दो महीने बाद उनकी पार्टी इसे लागू करेगी, जब मौजूदा सरकार बदल जाएगी।

केजरीवाल ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी किसी सरकार को चुनने या हटाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से आप को बढ़ावा देने और पिछले 27 वर्षों से गुजरात में सत्तारूढ़ बीजेपी सरकार को हटाने के लिए काम करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने राजकोट में आजी रिवरफ़्रंट तथा रामनाथ महादेव मंदिर डेवलपमेंट के लिए 187 करोड़ रुपए मंजूर किए

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राजकोट महानगर पालिका को आजी रिवरफ़्रंट डेवलपमेंट तथा रामनाथ महादेव डेवलपमेंट कार्यों के लिए 187 करोड़ रुपए के आवंटन को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। राजकोट महानगर आजी नदी के पूर्व एवं पश्चिम; दोनों तटों पर तेज़ विकास के कारण विकसित हुआ है। इतना ही नहीं, राजकोट महानगर पालिका द्वारा आजी रिवरफ़्रंट डेवपमेंट करने के लिए इंटरसेप्ट लाइन का कार्य भी प्रगति पर है। गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड ने राजकोट महानगर के मध्य से व्यतीत होने वाली आजी नदी के पश्चिमी तट पर स्थित अति प्राचीन व स्वयंभू रामनाथ महादेव मंदिर को डेलवप करने का कार्य राजकोट महानगर पालिका को हस्तांतरित किया है। इस संदर्भ में राजकोट महानगर पालिका ने 11 किलोमीटर लम्बे आजी रिवरफ़्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के कार्य को अति प्राचीन रामनाथ मंदिर डेवलपमेंट के साथ सुसंगत करने का प्रस्ताव गुजरात म्युनिसिपल फ़ाइनेंस बोर्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष प्रस्तुत किया था। पटेल ने स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री नगरीय विकास योजनांतर्गत विशिष्ट पहचान घटक के कार्यों का अनुमोदन किया है, जिसके फलस्वरूप मुख्यमंत्री ने वर्ष 2022-23 में प्रथम फेज़ में राजकोट महानगर पालिका को 187 करोड़ रुपए के आवंटन को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। राजकोट महानगर पालिका अब श्री रामनाथ महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार के उपरांत विशाल पार्किंग एरिया, टेम्पल प्लाज़ा, किओस्क, लैण्ड स्कैपिंग जैसे विकास कार्य प्रारंभ करेगी और भविष्य में और अधिक डेवलपमेंट के लिए क्षेत्र भी आरक्षित रखेगी। इसके अलावा मंदिर के पिछले भाग में आजी नदी में आवश्यकतानुसार चेकडैम (तटबंध) का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा दी गई इस सैद्धांतिक स्वीकृति के चलते राजकोट में आजी रिवरफ़्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट तथा अति प्राचीन रामनाथ महादेव मंदिर के विकास कार्य तेज़ी से साकार होंगे।

वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री राहत कोष से अब तक 8 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता मंजूर

गांधीनगर ।

राज्य के नागरिकों को गंभीर प्रकार के रोगों के उपचार में ऑपरेशन ख़र्च में सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता मंज़ूर की जाती है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य के नागरिकों के सुख-स्वास्थ्य के लिए त्वरित कार्य करने की दिशा में उचित निर्णय किए गए हैं और इसके कारण नागरिकों की सुख-सुविधा में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री राहत कोष से वर्ष सितंबर-2022 तक कुल 306 मामलों में रू8.5करोड़ रुपए की सहायता मंज़ूर की गई है। नागरिकों के आवेदन के बाद किडनी, कैंसर, हार्ट तथा लीवर रोगों के उपचार/ऑपरेशन के लिए मान्यता प्राप्त अस्पतालों में निर्धारित ख़र्च की लगभग1/3(एक तिहाई) सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जाती है। पूर्व में वार्षिक एक लाख की आय वाले नागरिकों को ही यह लाभ मिलता था, परंतु राज्य सरकार ने अब अधिक नागरिकों तक लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से जनवरी-2022 के प्रस्ताव से रू 4लाख की आय वाले नागरिकों को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता का भुगतान मंज़ूर किया है।

इसके अंतर्गत दिनांक 1 अक्टूबर 2011 से 20 सितंबर 2022तक की अवधि में अलग-अलग कुल 3472 मामलों में रू36 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता मंज़ूर की गई है, जबकि दिनांक 1 जनवरी 2022 से 20 सितंबर 2022तक कुल 333 मामलों में रू 8.9 करोड़ रुपए की सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से चुकाई गई है।

राजकोट निवासी 61 वर्षीय मंजुलाबेन विट्ठलभाई सरधारा को बोनमेरो ट्रांसप्लांट कराना था। उन्हें राहत कोष से रू2,33,000 मंज़ूर किए

गए हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के मार्गदर्शन व इस सहायता से उन्हें बहुत लाभ हुआ है और मुख्यमंत्री राहत कोष का सहायता कार्य बहुत अच्छा है। अमरेली के बाबपुर निवासी 21 वर्षीय केयुरभाई राजेशभाई गोंडलिया को हार्ट ट्रांसप्लांट की ज़रूरत थी। ऐसे समय में मुख्यमंत्री राहत कोष से रू 7,50,000 की सहायता मंज़ूर होने से उन्हें उपचार में बड़ी राहत मिली। केयुरभाई के परिजनों ने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

पीएम मोदी ने भाजपा मेयरों को दिया विकास का मंत्र, कहा - सब काम दिल्ली से नहीं होते

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के चुनावों की तैयारियों की बीच आज से दो दिवसीय राष्ट्रीय महापौर परिषद का गांधीनगर में प्रारंभ हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए महापौर परिषद का उदघाटन करते हुए उर्पा-स्थत महापौरों को विकास मंत्र देते हुए कहा कि हर काम दिल्ली से नहीं होता। कुछ कार्य स्थानीय स्तर पर महापौर, प्रशासन और राज्य सरकारों को करने होंगे। पीएम मोदी ने कहा कि एक समय अहमदाबाद म्युनिसिपलिटी में बतौर महापौर सरदार पटेल बैठते थे, जो बाद में देश के उप प्रधानमंत्री बने थे। अहमदाबाद का महापौर रहते हुए सरदार पटेल ने शहर के लिए कई काम किए हैं। भाजपा महापौरों को सरदार पटेल की विरासत को बरकरार रखना है। उन्होंने कहा कि भाजपा महापौर के काम अन्य महापौरों के मुकाबले बेहतर होने चाहिए। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का भाजपा का शासन का मॉडल उसे दूसरों से अलग करता है। उन्होंने अहमदाबाद नगर निगम में सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भी राज्य के लोग उनके कार्यों को बहुत सम्मान से याद करते हैं। उन्होंने कहा कि आपको भी अपने शहरों को उस स्तर पर ले जाना है कि आने वाली पीढ़ियां आपको याद करके कहें कि हां, हमारे शहर में भाजपा के एक महापौर आए थे तब यह काम हुआ। शहरों में इमारतों के गिरने और उनमें आग लगने की घटनाओं को चिंता का विषय करार देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि सामान्य नागरिकों का संबंध सरकार नाम की व्यवस्था से हो इससे पहले पंचायत और नगर पंचायत से होता है। यानी इस प्रकार विचार-विमर्श करने का महत्व बढ़ जाता है। शहर के विकास को लेकर नागरिकों जो भरोसा रखा है उसे बरकरार रखना आप की जिम्मेदारी है। अब तक सामान्य नागरिकों का विश्वास बरकरार है कि भाजपा कार्यकर्ताओं के हाथ जब सत्ता आती है तो उनकी समस्याओं का समाधान होता है और विकास का योग्य आयोजन किया जाता है। इस विश्वास बनाए रखने का पीएम मोदी

ने महापौरों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महापौर शहर का मुखिया होता है और शहर की सुखाकारी और शांति की जिम्मेदारी महापौर की होती है। शहर में कहीं कोई गंदगी ना हो, सरकारी संपत्ति को नुकसान ना हो, इसका महापौर को ध्यान रखना चाहिए। महापौर को के विकास को आर्थिक विकास से कैसे जोड़ा जाए इसकी लगातार चिंता और चिंतन करना चहिए। गुजरात के गांधीनगर में आज से शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय महापौर परिषद में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत विभिन्न शहरों के महापौर उर्पा-स्थत रहे।

गुजरात में कांग्रेस सत्ता में आई तो पुरानी पैंशन योजन लागू करेगी: राहुल गांधी

अहमदाबाद।

गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर खासकर भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) वोटरों को रिझाने के लिए वादों की झड़ी लगा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी गुजरात की जनता से एक वादा किया है। राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं और इसके बीच उन्होंने एक ट्वीट कर गुजरात के सरकारी कर्मचारियों से बड़ा वादा किया है। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा 'पुरानी पैंशन खत्म कर भाजपा ने बुजुर्गों को आत्मनिर्भर से निर्भर बना दिया। देश को मजबूत करने वाले सरकारी कर्मचारियों का हक है पुरानी पैंशन योजना। हमने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पुरानी पैंशन योजना बहाल की। अब गुजरात में भी कांग्रेस की सरकार आएगी तो पुरानी पैंशन योजना लाएगी।' बता दें कि इस साल के

अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव होने हैं और उससे पहले सभी राजनीतिक दल वोटरों को रिझाने के लिए वादे पर वादे कर रहे हैं। इससे पहले गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने उनकी सरकार बनने पर राज्य के नागरिकों को बेहतर सवास्थ्य सुविधा मुहैया कराने का वादा किया था। कांग्रेस ने 'स्वस्थ नागरिक-स्वस्थ राज्य' संकल्प पत्र जारी किया था। इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुजरात के स्वास्थ्य मॉडल से राजस्थान मॉडल के श्रेष्ठ बताया था। उसी राजस्थान के स्वास्थ्य मॉडल की तर्ज पर गुजरात में कांग्रेस सरकार बनती है तो स्वास्थ्य क्षेत्र में क्या काम करेंगे उसकी घोषणा अशोक गहलोत ने की थी।

बीएसई के एसएमई पर 26 सितंबर को खुलेगा इनसोलेशन एनर्जी लिमिटेड का आईपीओ

जयपुर ।

इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड, राजस्थान की अग्रणी सोलर पीवी पैनल निर्माता, अपने आईपीओ के साथ रु. 22.16 करोड़ बाजार में प्रवेश कर रहा है। इश्यू 26 सितंबर 2022 को खुलेगा और 29 सितंबर 2022 को बंद होगा और उसके बाद बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा।

कंपनी रु. 36 से रु. 38 रुपये प्रति शेयर 58,32,0000 शेयर जारी क र के । 22.16 करोड़ और 3000 शेयरों की किश्तों में बेचा जाएगा। एचएनआई का हिस्सा 27,69,000 शेयर है, जो कि निवल निर्गम शेयरों का 50% है। शेष 50%, जो 27,69,000 है, खुदरा निवेशकों का हिस्सा है। इस इश्यू के लीड मैनेजर होलानी कंसल्टेंट्स प्राइवेट हैं। लिमिटेड, राजस्थान की एक प्रमुख मर्चेंट बैंकिंग कंपनी, और इश्यू के रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज प्रा. लिमिटेड है मनीष गुप्ता और विकास जैन इस मुद्दे के प्रवर्तक हैं।

रुपये वसूल किए जाने हैं। 22.16 करोड़ रुपये में से। 15.45 करोड़ का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए किया जाएगा और रु. 6.71 का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने और खर्च जारी करने के लिए किया जाएगा।

इनसोलेशन एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन श्री मनीष गुप्ता ने कहा, "इनसोलेशन एनर्जी राज-स्थान की अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की पहली कंपनी है जिसने बीएसई एसएमई सेगमेंट में अपना आईपीओ लॉन्च किया है।

2022-2023 के लिए कंपनी को लगभग रु. 50.34 करोड़ कार्यशील पूंजी की आवश्यकता होगी, जिसमें से रु। 34.88 करोड़ की व्यवस्था बैंकों और आंतरिक स्रोतों से की गई है जबकि शेष रु. आईपीओ के जरिए जुटाए जाएंगे 15.45 करोड़ कंपनी वर्तमान में 200 मेगावाट की रेटेड क्षमता वाले सौर पैनलों का निर्माण कर रही है और राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात में वितरित प्रति माह लगभग 30,000 सौर पैनलों का उत्पादन करती है। इसकी मार्केटिंग 400 डीलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स के जरिए की जाती है।

23 सितंबर से शुरू होने जा रहे अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2022 के साथ जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाइए

अमेज़ॅन इंडिया ने अपने बहुप्रतीक्षित फेस्टिव इवेंट, 'द अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल' (जीआईएफ) 2022 को 23 सितंबर, 2022 की मिडनाइट से शुरू करने की घोषणा की, जिसमें प्राइम मेंबर्स को अर्ली एक्से(स दिया गया है। कस्टबमर्स लाखों लघु मध्यम बिजनेस (एसएमबी) के प्रोडक्टअ के सबसे बड़े सलेक्शंन पर पहले कभी न देखी गई डील्सर का आनंद ले सकते हैं। जीआईएफ 2022 विभिन्न प्रोग्राम जैसे अमेज़ॅन लॉन्चपैड, अमेज़ॅन सहेली, अमेज़ॅन कारीगर के साथ-साथ सभी श्रेणियों में शीर्ष भारतीय और वैश्विक ब्रांडों के तहत अमेज़ॅन सेलर्स के प्रोडक्टक प्रदर्शित करेगा।

अमेज़ॅन इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट और कंट्री मैनेजर मनीष तिवारी ने इस घोषणा पर कहा, "हम एक शानदार फेस्टिव सीजन की उम्मींद कर रहे हैं । इस फेस्टिव सीजन में हमारे सेलर्स और पार्टनर्स पूरे भारत में कस्टघमर्स की सेवा करने के लिए बेताब हैं। अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल कस्टहमर्स को इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रॉसरी, फैशन और ब्यूकटी, रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं में भारत के सबसे बड़े सलेक्शडन से खरीदारी करने की पेशकश करेगा। इस साल, हम लाखों सेलर्स की मदद से अपने कस्ट मर्स की सेवा करने के लिए उत्साहित हैं, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों, 2 लाख स्टोर्स शॉप्से के प्रोडक्टद, पारंपरिक कारीगरों और बुनकरों के प्रोडक्ट और विभिन्न स्टार्टअप के नवीन प्रोडक्टर ऑफर करते हैं। हम भारत के सभी सेवा योग्य पिन कोड में जल्दी और सुरक्षित तरीके से 2000 से अधिक नए प्रोडक्टट और डिलीवरी प्रोडक्टह लॉन्च करने के लिए लोकप्रिय ब्रांडों के साथ पार्टनरशिप करके खुश हैं। हम सेलर्स और पार्टनर्स की सफलता को अधिकतम करना जारी रखेंगे और वॉयस से खरीदारी करने के विकल्पर के साथ अंग्रेजी सहित 8 क्षेत्रीय भाषाओं में खरीदारी की सुविधा देंगे। इस फेस्टिव सीजन में हर कोई पूछेगा " कहां से लिया" और हमारे कस्टसमर्स गर्व से कहेंगे स अमेजॅन से लिया।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)